सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 83 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 05 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नईदिल्ली के भारत मंडपम में ग्रामीण भारत महोत्सव का आकर्षण बना जशप्योर ब्रांड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के उत्पाद विशेष आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। भारत मंडपम में शनिवार से शुरू हुए ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 में छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के जशप्योर ब्रांड के उत्पादों को बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। बड़ी संख्या में लोग भारत मंडपम में लगाए गए स्टॉल क्रमांक 76 में पहुंचकर जशप्योर के उत्पाद को खरीद रहे हैं। जशप्योर उत्पादों की ऑनलाइन भी खरीदी हो रही है।

बता दें कि ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का आयोजन दिल्ली के भारत मंडपम में 4 जनवरी से 9 जनवरी तक किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इस महोत्सव का उद्घाटन किया। महोत्सव का विषय विकसित भारत 2047 के लिए लचीले ग्रामीण भारत का निर्माण है। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण उद्यमशीलता और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि सरकार का यह प्रयास ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिले सहित अन्य जिलों के वनोपज उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के प्रयास से छत्तीसगढ़ में ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा मिला है। छत्तीसगढ़ सरकार इस पहल से युवाओं और महिलाओं को रोजगार सुलभ हुआ है।

काजू से लेकर जैकफ्रूट कुकीज व महुआ एनर्जी कैंडी तक

ग्रामीण भारत महोत्सव में हरित क्रांति आदिवासी सहकारी समिति मर्यादित छत्तीसगढ़ द्वारा लगाए गए स्टाल में जशपुर जिले में उत्पादित काजू, जीराफूल चावल, रागी और महुआ लड्डू, कुल्थी दाल, मड़वा आटा, रागी से कुकीज, जैकफ्रूट कुकीज, महुआ एनर्जी कैंडी, महुआ नेक्टर, जशपुर की चाय प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध हैं। वनोपज का स्थानीय स्तर पर तैयार किया गया है, जो स्वादिष्ट और सेहत के लिए उत्तम है। जशप्योर के प्रोडक्ट का निर्माण आदिवासी युवाओं और महिलाओं द्वारा पूरी शुद्धता के साथ किया जाता है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जशप्योर ब्रांड ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

पारंपरिक खाद्य पदार्थों का स्वाद

जशप्योर का मुख्य उद्देश्य महुआ, रागी और बाजरा जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों को वैश्विक थाली में लाना है। इन उत्पादों के माध्यम से न केवल पोषण को बढ़ावा दिया जा रहा है, बल्कि इनके संग्रह और प्रसंस्करण में लगे आदिवासी समुदायों को रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण भी हो रहा है। महुआ जशपुर जिले में बहुतायत रूप से पाया जाता है। महुआ पेड़ फूल-फल से लेकर जड़ तक औषधीय गुणों से भरपूर है। महुआ में एंटी बैक्टिरियल गुण होते हैं, इससे शरीर में सूजन कम होती है और घाव जल्दी भरते हैं। महुआ में विटामिन सी होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है।

खास-खबर

पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा, तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर क्रैश, क्रू के तीन सदस्यों की मौत

पोरबंदर। गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल वहां तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ है। भारतीय तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर एएलएच ध्रुव रुटीन उड़ान पर था, जिस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे में क्रू के तीन सदस्यों की मौत हुई है। यह हादसा रविवार दोपहर 12 बजे हुआ। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, कोस्टगार्ड का हेलिकॉप्टर ध्रुव नियमित उड़ान पर था।

बताया जा रहा है कि पोरबंदर एयरस्ट्रिप पर लैंडिंग के दौरान हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हेलिकॉप्टर के गिरते ही उसमें आग लग गई। इंडियन कोस्टगार्ड ने बताया कि हेलिकॉप्टर में 2 पायलट समेत 3 लोग सवार थे। जानकारी मिल रही है कि सभी की जान चली गई।

पिछले साल 2 सितंबर को भी इंडियन कोस्ट गार्ड के एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर पोरबंदर तट के पास अरब सागर में गिर गया था। इस दौरान हेलिकॉप्टर में सवार 4 में से एक क्रू मेंबर को बचा लिया गया था, जबकि 3 क्रू मेंबर्स लापता हो गए थे।

ढाई दिन में सिडनी टेस्ट हारा भारत:ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया

सिडनी। भारतीय टीम सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट से हार गई है। इस हार के साथ भारतीय टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 3-1 की पराजय झेलनी पड़ी है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को इस सीरीज में 10 साल के बाद हराया है। इससे पहले कंगारु टीम ने 2014-15 के सीजन में एमएस धोनी की कप्तानी वाली टीम इंडिया से सीरीज जीती थी।

रविवार को मुकाबले के तीसरे दिन भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का टारगेट दिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रैविस हेड 34 और ब्यू वेबस्टर 39 रन पर नाबाद रहे। इन दोनों के अलावा, उस्मान ख्वाजा ने 41 और सैम कोंस्टास ने 22 रन बनाए। भारत से प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट झटके। दिन के पहले सेशन में भारतीय टीम दूसरी पारी में 157 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 181 रन पर ऑलआउट हुई, जबकि भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। इस तरह भारत को पहली पारी में 4 रन की बढ़त मिली थी।

बस्तर में एनकाउंटर : दंतेवाड़ा-नारायणपुर सीमा पर चार माओवादी ढेर, जवान शहीद

अबूझमाड़ के घने जंगल में हुई मुठभेड़, सीएम साय ने शहीद को किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में एनकाउंटर की खबर है। यहां डीआरजी व एसटीएफ की संयुक्त टीमों ने नक्सलियों को घेरकर मारा। मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर कर दिए गए हैं वहीं डीआरजी का एक जवान भी शहीद हो गया है। शहीद जवान की पहचान प्रधान आरक्षक सन्नू कारम के रूप में हुई है। मुठभेड़ के बाद जवानों ने मौके से एके-47 और एसएलआर जैसे ऑटोमेटिक हथियार बरामद किए हैं। वहीं इस मुठभेड़ के बाद सीएम साय ने जवान की शहादत को नमन किया है।

मिली जानकारी के अनुसार नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर शनिवार की शाम 6 बजे से मुठभेड़ शुरू हुई। अबूझमाड़ के जंगल में पुलिस-नक्सलियों के बीच शनिवार देर रात मुठभेड़ हुई है, जिसमें डीआरजी जवान प्रधान आरक्षक सन्नू कारम शहीद हो गए। जवानों ने इस मुठभेड़ में 4 नक्सलियों को मार गिराया है। सर्चिंग के दौरान जवानों ने मौके से सभी नक्सलियों के शव और च 47, स्क्र जैसे हथियार बरामद किए हैं। इसकी पुष्टि बस्तर ड्ड सुंदरराज पी ने की है।

आत्मसमर्पित नक्सली थे शहीद जवान सन्नू कारम

मुठभेड़ में शहीद होने वाले जवान सन्नू कारम पूर्व में नक्सली रहे। शहीद जवान सन्नू कारम ने कुछ साल पहले ही उन्होंने नक्सलवाद छोड़ दिया था और पुलिस में भर्ती हुए थे, जहां उनकी पोस्टिंग दंतेवाड़ा में हुई थी। बताया जा रहा है कि शनिवार को अबूझमाड़ में भारी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद जवान सर्च ऑपरेशन पर रवाना हुए थे। बस्तर संभाग के चार जिलों से लगभग 1000 जवान सर्चिंग पर अलग अलग छोर से निकले। जवानों ने नक्सलियों के कोर इलाके को घेर लिया। जवानों को भागने का भी मौका नहीं मिला। इस मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया गया। शेष नक्सली फरार हो गए। वहीं गोलीबारी में जवान सन्नू कारम शहीद हो गया।

दो दिन पहले गरियाबंद में ढेर हुए थे तीन नक्सली

बता दें दो दिन पहले गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित सोरनामाल जंगल में सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड और स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने नक्सलियों को घेरा था। ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के करीब 300 जवान शामिल थे। ओडिशा के नवरंगपुर की ओर से भी जवानों ने घेराबंदी की थी, जिससे नक्सलियों को भागने का मौका नहीं मिला। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद तीन नक्सलियों के शव बरामद किए गए। गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा ने इसकी पुष्टि की थी।

सीएम साय ने कहा- नक्सलियों के खात्मे तक जारी रहेगी लड़ाई

नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अब तक 4 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मुठभेड़ में डीआरजी के जवान, प्रधान आरक्षक सन्नू कारम के शहीद होने की भी दुःखद खबर प्राप्त हुई है। उनका यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबल के जवान बहुत ही मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं और उसके खात्मे तक यह लड़ाई जारी रहेगी। ईश्वर से शहीद जवान की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

दिल्ली से मेरठ नमो भारत का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

नईदिल्ली ए.। भारत की अपनी हाईस्पीड ट्रेन 'नमो भारत' की राजधानी दिल्ली में एंट्री हो गई है। रविवार यानी 5 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाया। पीएम मोदी ने दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे सेक्शन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही अब नमो भारत ट्रेन दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक दौड़ेगी।

पीएम मोदी ने इस मौके पर नमो भारत कॉरिडोर के साहिबाबाद स्टेशन पर अधिकारियों से बात कर इसके बार में जानकारी ली। इसके बाद पीएम मोदी ने रैपिड रेल में बच्चों व अन्य लोगों से बात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में सफर करते हुए बच्चों से मुलाकात की।

आनंद विहार के आरआरटीएस स्टेशन को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह सार्वजनिक परिवहन के मौजूदा 6 माध्यमों के बीच मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन की सुविधा प्रदान करेगा। इसमें स्वामी विवेकानंद (आनंद विहार) और कौशांबी स्थित आईएसबीटी, मेट्रो के दो कॉरिडोर (पिंक और ब्लू लाइन), आनंद विहार रेलवे स्टेशन और सिटी बस स्टैंड शामिल हैं।

इस स्टेशन के माध्यम से मेरठ व दिल्ली के यात्री मेट्रो, आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन द्वारा देश के किसी भी कोने में निर्बाध यात्रा कर सकेंगे। साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक के 13 किलोमीटर के सेक्शन में से 6 किलोमीटर हिस्सा भूमिगत है जिसमें कॉरिडोर का प्रमुख स्टेशन आनंद विहार शामिल है। यह पहली बार है जब नमो भारत ट्रेनें भूमिगत सेक्शन में दौड़ेंगी।

छत्तीसगढ़ में ओस व कोहरे का सितम अगले तीन दिनों में मिलेगी ठंड से राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम खुलने से ठंड बढ़ गई है। वहीं आउटर इलाकों में सुबह के समय घने कोहरे छाए रहे। इसके साथ ही सरगुजा संभाग में शीतलहर का कहर जारी है। जहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए मौसम में राहत के संकेत दिए हैं।

सरगुजा संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान में नीचे जाने की वजह से संभाग में ठंड बढ़ गई है। अंबिकापुर और मैनपाठ इलाके में ठिठुरन बढ़ी है। प्रदेश के उत्तरी इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अगले 24 घंटों तक न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। इसके अगले दो दिन बाद न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक वृद्धि हो

सकती है। इसी के साथ ही प्रदेश में मौसम ड्राई रहेगा। फिर आगामी कुछ दिनों तक मौसम ऐसे ही रहने की संभावना है। बताते चलें कि अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान में 7.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह तापमान सामान्य से 3 डिग्री कम है। पेंड्रा में तापमान सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। वहीं बलरामपुर में 5.4 डिग्री रात का पारा दर्ज किया गया। वहीं सबसे ज्यादा दिन का तापमान 31.4 डिग्री के साथ सुकमा सबसे गर्म रहा।

कोहरे का कहर: 400 फ्लाइट और 200 ट्रेनें देरी से चलीं

नई दिल्ली ए.। उत्तर से लेकर मध्य और पूर्वोत्तर समेत लगभग आधे भारत ने घने कोहरे की चादर ओढ़ ली है। लगातार दूसरे दिन ज्यादातर क्षेत्रों में दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। शीतलहर और घने कोहरे के कारण सड़क यातायात से लेकर ट्रेन व विमान सेवाएं तक बुरी तरह चरमरा गईं। दिल्ली में उतरने वालीं 19 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि 400 से ज्यादा उड़ानों के आवागमन में देरी हुई। समूचे उत्तर भारत में करीब 200 ट्रेनें भी देर से चलीं। अगले दो दिन भी घना कोहरा छाए रहने, पहाड़ों पर हिमपात और कुछ मैदानी इलाकों में बारिश की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर में 5 जनवरी को भारी बारिश व बर्फबारी हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में घने कोहरे का असर दिखा। दिल्ली के पालम, सफदरजंग, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, हरियाणा के हिसार, पंजाब के पटियाला, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश के बरेली, झांसी, बहराइच,

वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, मध्य प्रदेश के ग्वालियर, राजस्थान के श्रीगंगानगर, बिहार के पूर्णिया, भागलपुर व असम के गुवाहाटी में घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य रही। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और त्रिपुरा में कई जगहों पर दृश्यता 50 से 200 मीटर के बीच दर्ज की गई। दृश्यता कम होने से सड़कों पर वाहन रेंगते रहे और पटरियों पर ट्रेनों की रफ्तार थम गई। तय समय पर उड़ान भरने की विमानों की तैयारी भी धरी की धरी रह गई।

ये उड़ाने हुईं प्रभावित

दिल्ली के साथ, शनिवार को चंडीगढ़, श्रीनगर, अमृतसर, गुवाहाटी व पटना में सबसे ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुईं। दिल्ली में 13 घरेलू, दो अंतरराष्ट्रीय और दो गैर-निर्धारित उड़ानों को कोहरे के कारण लैंडिंग के लिए दूसरे शहरों में भेजना पड़ा। दोपहर तक मौसम साफ होने के बाद उड़ानें सामान्य हुईं।

कई घंटे देरी से चलीं ट्रेनें

उत्तर रेलवे की ट्रेनों के संचालन पर सबसे बुरा असर पड़ा है। 59 से अधिक ट्रेनें छह घंटे और 22 से अधिक ट्रेनें आठ घंटे से भी अधिक देरी से चलीं। कई अन्य ट्रेनें भी एक से चार घंटे तक देरी से चलाई जा रही हैं। इन ट्रेनों में वंदे भारत, जम्मू राजधानी, आंध्र एक्सप्रेस, जीटी एक्सप्रेस भी शामिल रहीं। नई दिल्ली, निजामुद्दीन, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी आदि स्टेशनों पर कड़ाके की ठंड ने लोगों को परेशान किया।

चैट जीपीटी या चाट जीपीटी

श्रीकंचनपथ

एआई और चैट जीपीटी का जादू अब सिर चढ़कर बोल रहा है। मौज मस्ती से लेकर अध्ययन अध्यापन, यहां तक कि लिखा पढ़ी में भी अब इसीकी बातें हो रही हैं। प्रिंट मीडिया को तो बैठे बिठाए स्वर्ग मिल गया है। पहले नकारात्मक खबरों के लिए तस्वीरें छांटना काफी मुश्किल होता था। अब एआई आपकी कल्पना को उकेर देता है। लोग लिख रहे हैं और एआई उसकी कॉपी जांच रहा है। अब कुछ भी याद रखने की जरूरत नहीं। जो पूछना है पूछ लो, चैट जीपीटी जवाब दे देगा। और जबको आपको कुछ भी याद नहीं रहेगा तब जो चैट जीपीटी बताएगा, वही सत्य वचन हो जाएगा। इस तरह से भाषा, इतिहास, विज्ञान, भूगोल, राजनीति ड्ड सबकुछ चंद लोगों की मुट्ठी में चला जाएगा। इंसान के पास रह जाएगा केवल बाबाजी का ठुल्लू। पिछले कुछ दिनों से एक सवाल और उसका जवाब सुर्खियों में है। सवाल था कि 9.9 या 9.11 में से कौन बड़ा है। व्हाट्सअप पर मेटा एआई ने जवाब दिया 9.11, 9.9 से बड़ा है। आगे यह पूछने पर कि 9.11, 9.9 से बड़ा क्यों है, चैटबॉट ने जवाब दिया कि 9.9, 9.11 से 0.02 के अंतर से छोटा है। यह तो चिल्हर सा सवाल है जिसे गलत साबित करने के लिए ज्यादा ज्ञान की जरूरत नहीं है पर जब इसी तरह के जवाब गूढ़ प्रश्नों के मिलेंगे तब लोग क्या करेंगे? वैसे भी इंटरनेट आने के बाद से ज्ञानी पत्रकारों और लेखकों की संख्या में जबरदस्त उछाल आ गया है। इंटरनेट की दुनिया में सबकुछ मिलता है। मसलन, आप पूछ सकते हो कि देश में कितने बेरोजगार हैं, कितने गरीब हैं, कितने अति गरीब हैं, कौन से बीमारी से लोग सबसे ज्यादा जूझ रहे हैं और जवाब हाथ के हाथ मिल जाएगा। चूंकि आपने सोचना और याद रखना लगभग बंद कर दिया है इसलिए इसपर यकीन करने के अलावा आप कर भी क्या सकते हैं। ज्यादा पुरानी बात नहीं कि लोगों को 10-20 फोन नंबर याद रहते थे। किराना दुकान वाला 40-45 सामानों की लिस्ट का टोटल चुटकियों में कर लेता था। अभी तक बीवियों को नातेदारों से रिश्ता और उनके नाम याद रहते हैं। पति केवल मुंडी हिलाकर हां-हां कर देते हैं। अगली पीढ़ी अपने फोन का कैमरा आदमी के चेहरे की ओर करेगी और वही बताएगा कि वह कौन है और आपका क्या लगता है। फिर एक दिन ऐसा भी आएगा जब आपका दिमाग फोन चलाने लायक भी नहीं बचेगा। फोन सुबह से सूचनाओं की बारिश करेगा। आप इसमें सही गलत चुनने लायक भी नहीं रह जाएंगे। एआई टूल्स आपके हुनर को भी चोट पहुंचाएंगे। बचपन से गायन का अभ्यास करने वाला गाएगा और एक बेसुरा, खरखरी आवाज वाला गायक एआई की मदद से उसकी खूबसूरत नकल उतार देगा। कभी-कभी यह नकल असल से भी बेहतर होगा। जिन्हें नकली खोआ, नकली पनीर और नकली दूध-दही से चिढ़ है, उनका पूरा जीवन ही नकली हो जाएगा।

संपादकीय

अश्विन मैच जिताऊ खिलाड़ी रहे

रोहित शर्मा और खुद उनके बयानों से स्पष्ट है कि रविचंद्रन अश्विन खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगने लगा था कि टीम प्रबंधन को उनकी जरूरत नहीं है। संभवत: संकेत यह था कि अब टीम में उनकी जगह पक्की नहीं है। कोई बड़ा खिलाड़ी किसी बड़ी टेस्ट शृंखला के बीच तुरंत रिटायर होने का एलान करे, तो उसे अवकाश लेने की सामान्य प्रक्रिया नहीं माना जा सकता।

> *बड़े खिलाड़ियों की विदाई अ सर नियोजित ढंग से और स-समान होती है। इसलिए रविचंद्रन अश्विन ने जिस तरह भारत- ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरिज के बीच तुरंत रिटायरमेंट का एलान किया, लाजिमी है कि उस पर कयास लगाए जाएंगे। इसे संकेत माना जाएगा कि भारतीय क्रिकेट के प्रशासन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अश्विन मैच जिताऊ खिलाड़ी रहे हैं। उनका रिकॉर्ड खुद बोलता है।*

भारत के पूरे क्रिकेट इतिहास में अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट विकेट लेने के लिहाज से वे दूसरे नंबर पर (537) हैं। अपने छह टेस्ट शतकों के साथ दुनिया के टॉप स्पिनरों में बतौर बल्लेबाज वे पहले नंबर पर हैं। 13 साल तक चले टेस्ट करियर के दौरान 106 मैचों में उन्होंने 37 बार एक पारी में पांच और आठ बार मैच में दस विकेट उन्होंने लिए। भारत की अनुकूल पिचों पर उन्हें खेलना किसी विदेशी टीम के लिए बड़ी चुनौती बना रहा।

अब कप्तान रोहित शर्मा और खुद अश्विन के बयानों से स्पष्ट है कि 38 वर्षीय अश्विन खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगने लगा था कि टीम प्रबंधन को उनकी जरूरत नहीं है। इस सीरिज में अब तक हुए तीन मैचों में उन्हें सिर्फ एक में खेलाया गया।

संभवत- संकेत यह था कि अगले दो मैचों में भी उनकी जगह पक्की नहीं है। ऐसे में यह मानने के बावजूद कि उनमें अभी धार बाकी है, उन्होंने तुरंत अवकाश लेने का एलान कर दिया। बड़े खिलाड़ियों को उनके नाम के आधार ढोया जाए, यह किसी का तर्क नहीं हो सकता। लेकिन खिलाड़ियों को गाइड करने और उन्हें सीधे उचित सलाह देने का सिस्टम जरूर मौजूद होना चाहिए। इसके लिए स्वस्थ संवाद की जरूरत है। लेकिन हालिया संकेत यही हैं कि भारतीय क्रिकेट संचालन में सीधा संवाद गायब है। विराट कोहली को जिस तरह कप्तानी से हटाया गया और उसके बाद से टीम का जैसा डगमग हाल है, उसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी शायद इसी पहलू की है।

सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2024 में लिखा नया अध्याय

पंकज मित्तल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों के फलस्वरुप वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में नया अध्याय लिखा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई के नदी जोड़ो के सपने को साकार करते हुए प्रदेश में देश की दो बड़ी अति महत्वाकांक्षी एवं बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजनों का आगाज हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 17 दिसंबर को जयपुर में पार्वती- कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना पर मध्य प्रदेश, राजस्थान और केन्द्र सरकार के बीच अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित किए गए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मोदी ने 25 दिसंबर को खजुराहो, छतरपुर में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया। केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे पहली और बड़ी सिंचाई परियोजना है।

मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। इसे सबसे ज्यादा फिक्र अपने अन्नदाता की रहती है। सरकार निरंतर हर खेत तक पानी पहुंचाने के कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसी राम सिलावट के नेतृत्व में प्रदेश के जल संसाधन विभाग की विभिन्न वृहद, मध्यम एवं सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से मध्य-प्रदेश में निरंतर सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। किसान पहले दो फसल ले पाते थे, अब तीसरी फसल भी लेने लगे हैं। साथ ही कृषि उत्पादन में भी वृध्दि हुई है। प्रदेश की धरती सुजलाम सुफलाम हो रही है। सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, आज बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रकबा लगभग 65 लाख हेक्टेयर होने की संभावना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उसके लिए प्रदेश में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। सरकार ने विभाग के लिए बजट में भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया है। वर्ष 2024-25 के बजट में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना से मालवा और चंबल क्षेत्र की तस्वीर एवं तकदीर बदलेगी। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में तरक्की होगी। इस परियोजना से प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 60 वर्ष पुरानी चंबल दाईं मुख्य नहर एवं वितरण तंत्र प्रणाली के आधुनिकीकरण कार्य से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 03 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कृषकों की मांग अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना से प्रदेश के 13 जिलों गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, इंदौर, धार, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ जिलों के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रूपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध/बैराज निर्मित किये जाएंगे। परियोजना से प्रदेश के 13 जिलों गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, इंदौर, धार, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ जिलों के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। परियोजना मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रूपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध/बैराज निर्मित किये जाएंगे।

नजरिया

हम किसी क्रांति की कसौटी पर खरे नहीं उतरे

इक्कीसवीं सदी का 25वां साल शुरू हो गया। सबको बधाई! मंगल शुभकामनाएं! वर्ष 2025 समाप्त होगा तो यह सदी एक चौथाई गुजर चुकी होगी। इतिहास में इस बात का कोई प्रमाण नहीं मिलता है कि धरती के इंसानों ने किसी और सदी का इतना इंतजार किया हो। सदियां आती थीं और चली जाती थीं। परंतु 21वीं सदी की प्रतीक्षा और उसके लिए तैयारियां बहुत पहले शुरू हो गई थी।

अजीत द्विवेदी

भारत में 1984 में जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने और उनके सहयोगियों ने कहा कि वे भारत को 21वीं सदी में ले जाने के लिए तैयार कर रहे हैं। पिछले दिनों जब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह गुजरे तो कहा गया कि 1991 में जब वे वित्त मंत्री बने थे तब उन्होंने भारत को ज्यादा मजबूती के साथ 21वीं सदी में जाने के लिए तैयार किया। अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में भी कहा जाता है कि 1998 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम बनाया। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सदी की चुनौतियों से आगे सहस्राब्दी यानी अगले एक हजार साल की बात कर रहे हैं और भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

सवाल है कि क्या 21वीं सदी के इस मुकाम पर भारत वही है, जो संचार क्रांति के जरिए राजीव गांधी या अर्थ क्रांति के जरिए मनमोहन सिंह या परमाणु परीक्षण और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के जरिए अटल बिहारी वाजपेयी बनाना चाहते थे और क्या नरेंद्र मोदी के अमृत काल की नीतियां भारत को इस सहस्राब्दी में सबसे महान बना देंगी? बहुत गहरे अतीत और विस्तृत भविष्य के प्रिज्म में इन सवालों को देखेंगे तो उसका दायरा बहुत बड़ा हो जाएगा। तब भी आकलन का आधार यही होना चाहिए कि अलग अलग प्रधानमंत्रियों ने भारत को जिस चीज के लिए तैयार किया उसे हम हासिल कर पाए या नहीं। इसी आधार पर यह आकलन किया जा सकता है कि भारत किस मुकाम पर है और यहां से इसका आगे का सफर कैसा हो सकता है।

यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि भारत को 21वीं सदी में लाने की जितनी तैयारियां हुई थीं उसके अनुपात में हम बहुत कुछ हासिल नहीं कर पाए। संचार क्रांति की तमाम चर्चाओं के बावजूद हम उस क्रांति के वाहक नहीं बन सके। हम उस क्रांति से पैदा हुए उत्पादों के उपयोक्ता भर हैं। सोचें, पिछले साल की संचार क्रांति पर! पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई की उपलब्धियों से चमत्कृत है लेकिन इस क्रांति में भारत कहां है? भारत में एआई के इस्तेमाल से ठगी की जा रही है और नेता बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर एआई से जेनरेट करके अपने को आशीर्वाद दिलवा रहे हैं ताकि चुनाव में दलित वोट हासिल कर सकें। जिस तरह हम कंप्यूटर के उपयोक्ता हुए, टेलीफोन, मोबाइल फोन और इंटरनेट के हुए उसी तरह एआई के भी उपयोक्ता होंगे। हम

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का कोई अपना उत्पाद नहीं बनाएंगे, जिसे दुनिया इस्तेमाल करे। दुनिया में बनने वाले उत्पादों का हम इस्तेमाल करेंगे। पिछले 24 साल में हम तकनीकी उत्पादों का सबसे बड़ा बाजार बन गए हैं क्योंकि हमारी आबादी 140 करोड़ है। यह स्थिति तब तक नहीं बदलेगी, जब तक शोध और विकास पर खर्च नहीं बढ़ेगा। दुर्भाग्य से भारत में न तो सरकारों की मंशा शोध पर खर्च करने की है और न भारत के उद्यमियों में इतना साहस और इतनी दूरदृष्टि है कि वे शोध पर खर्च करें। इसका नतीजा यह है कि हमारी तकनीकी उपलब्धियों का जो है शिखर है यानी इसरो, उसे भी चार हजार किलो वजन से ज्यादा का उपग्रह अमेरिका के एक उद्यमी इलॉन मस्क के स्पेस स्टेशन से लॉन्च कराना पड़ता है। यह परिघटना पिछले साल यानी 2024 की है। उम्मीद करनी चाहिए कि 2025 में हम उन उपलब्धियों को हासिल करने की ओर बढ़ेंगे, जिन्हें अमेरिका के एक निजी उद्यमी ने अपने विजन, साहस और अपने निवेश के दम पर हासिल किया है। फिलहाल तो संचार और तकनीक की क्रांति की हमारी कुल जमा उपलब्धि यह है कि हमारे यहां 45 करोड़ लोग फेसबुक यूजर हैं और यूट्यूब के रील्स देखने में सबसे ज्यादा घंटे हम लोग गुजारते हैं।

दुनिया के अर्थशास्त्रियों के लिए आर्थिक क्रांति का मतलब भले यह होता है कि उससे आम लोगों की जिंदगी बदल गई, उनका जीवन स्तर बेहतर हो गया, उन्हें अच्छी शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा मिल रही है और उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो गई लेकिन भारत के लिए आर्थिक क्रांति का मतलब है कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में पांच किलो अनाज दिया जा रहा है, 50 करोड़ लोगों के जन धन खाते खुले हैं, जिसके आधार पर उनके आर्थिक समावेशन का दावा किया जा रहा है और इसके बरक्स देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया के किसी दूसरे देश के मुकाबले सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ी है। हाल में दुनिया के जाने माने अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी भारत के दौरे पर आए थे, जिन्होंने भारत में विद्यमान आर्थिक विषमता के बारे में विस्तार से बताया। उनके लौटने के साथ ही भारत के सरकारी अर्थशास्त्री अखबारों में लेख लिख कर यह बताने में जुटे हैं कि पिकेटी गलत थे और उनका आकलन गलत था। बहरहाल, भारत में पिछले साल या यूं कहें कि पिछले कुछ सालों के आर्थिक विकास का कुल जमा हासिल 'मुफ्त की रेवड़ी' वाली योजनाएं हैं, जिनके दम पर चुनाव लड़े और जीते जा रहे हैं।

भारत ने पहला परमाणु परीक्षा 1974 में किया। फिर 1998 में परमाणु परीक्षण के साथ ही परमाणु शक्ति संपन्न देश बन गया और 2008 में अमेरिका के साथ सिविल न्यूक्लियर डील के साथ भारत का अछूतपन भी खत्म हो गया और दुनिया ने इसे परमाणु शक्ति संपन्न देश के तौर पर स्वीकार कर लिया। परंतु क्या उससे भारत की वह प्रतिष्ठा बनी, जो दुनिया के दूसरे परमाणु शक्ति संपन्न देशों की है? क्या अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस या ब्रिटेन की तरह दुनिया में भारत का मान बढ़ा? सामरिक और कूटनीतिक उपलब्धियों के नाम पर हमारा हासिल यह है कि नेपाल और मालदीव जैसे देश चीन के गुण गा रहे हैं। हम इस बात का जश्न मना रहे हैं कि चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद काफी हद तक सुलझा लिया है। लेकिन इस बात की चिंता नहीं हो रही है कि चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हमारे ऊपर क्या असर होगा? चीन इस प्रोजेक्ट पर करीब साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। इसी तरह वह तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर इस धरती का सबसे बड़ा बांध बना रहा है, जिस पर 13 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगा। सोचें, भारत की सीमा पर सिर्फ दो प्रोजेक्ट पर वह 21 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है! चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने शपथ समारोह में शामिल होने का न्योता दिया, जिसे उन्हें ठुकरा दिया है और इस बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका के दौरे पर गए हैं तो भाजपा के नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने कहा है कि उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए न्योते का जुगाड़ करने के लिए भेजा गया है। सोचें, चीन जिस न्योते को अस्वीकार कर रहा है, हम उसकी प्रतीक्षा में पलक पांवड़े बिछाए बैठे हैं!

भारत में एक क्रांति इन दिनों सामाजिक स्तर पर भी हो रही है। छोटे छोटे नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए टेलीविजन स्टूडियो में %मनुस्मृति' के पन्ने फाड़ रहे हैं या विश्वविद्यालयों में सामूहिक रूप से 'मनुस्मृति' जलाने का आयोजन कर रहे हैं तो दूसरी ओर हर मस्जिद में शिवलिंग खोजने का एक अभियान भी चल रहा है। दुनिया मंगल ग्रह पर बस्ती बसाने के नजदीक पहुंच गई है। ठीक एक हफ्ते पहले 24 दिसंबर को नासा का 'पार्कर सोलर प्रोब' सूर्य के सर्वाधिक नजदीक से गुजरा और उस समय छोटे कार के आकार के उस यान की रफ्तार सात लाख किलोमीटर प्रति घंटे की थी। इस रफ्तार वाले यान को लैंड कराने की तकनीक मिल जाती है तो 10 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मंगल ग्रह पर छह दिन में पहुंचा जा सकेगा। बहरहाल, हमारे प्रधानमंत्रियों ने चाहे जितनी सदिच्छा से अलग अलग क्रांतियों की बुनियाद रखी हो, हकीकत यह है कि हम किसी क्रांति की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं। उलटे हम कई किस्म की प्रतिक्रांतियों के शिकार हो गए हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि नए साल में हम जमीनी वास्तविकताओं पर विचार करेंगे और उस दिशा में आगे बढ़ेंगे, जिसकी ओर बढने् का सपना हमारे पुरखे प्रधानमंत्रियों ने देखा था।

(ये लेखक के विचार हैं)

तो कांग्रेस 2025 बहुत उत्साह से शुरू करती लेकिन कहीं उत्साह नहीं

शकील अख़्तर

> अगर हरियाणा नहीं गंवाया होता तो महाराष्ट्र में भी सीन यह नहीं होता। और 2025 कांग्रेस बहुत उत्साह से शुरू करती। लेकिन उत्साह कहीं नहीं है। भाजपा जिसमें होना चाहिए वह अपनी नकारात्मकता से निकल ही नहीं पा रही। गुजर गए मनमोहन सिंह से घबरा गई। उनके खिलाफ व्हट्सएप मुहिम शुरू कर दी। गांधी नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सब खराब हैं। और इनमें सबसे उपर राहुल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल है। इस वर्ष वे बतौर प्रधानमंत्री 11 वर्ष पूररे करेंगे। वे तीसरी बार प्रधान मंत्री बने हैं। मीडिया ने बहुत उछाला कि नेहरू के रिकार्ड की बराबरी।

मगर नेहरू जब तक प्रधनमंत्री रहे 1964 तक तब तक उनके काम ही चर्चा के केन्द्र में रहे। और 27 मई 1964 के बाद आज तक भी वे ही टाक आफ द टाउन (जिसकी हर जगह चर्चा होती है, सिर्फ उसी की बातें होती हैं) हैं। नया साल शुरू हुआ है। बात तीन बार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम की होनी चाहिए। मगर नेहरू को रिप्लेस करके अगर कोई उस जगह चर्चा के केन्द्र में आता है तो वह फिर राहुल होते हैं। 11 साल से या साढ़े दस साल कहें विपक्ष में ही हैं। मगर चाहे मीडिया हो या सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा और या मोदी सरकार सब 2024 के जाने से पहले और 2025 के आने के बाद भी राहुल को ही याद कर रहे हैं। वह तो हाथ में आया हरियाणा टपका दिया नहीं तो इस समय खाली याद ही नहीं कर रहे होते राहुल दिमाग में छाया होता। फोबिया हो जाता। लोकसभा चुनाव में शानदार ढंग से मोदी जी को 240 पर रोक लिया था।

यह वैसा ही था जैसा 2017 के विधानसभा चुनाव में गुजरात में इसी राहुल ने भाजपा को 99 पर रोका था। मगर कन्सिस्टेन्सी (निरंतरता) जिसे भारतीय क्रिकेट टीम भी बार बार भूल जाती है नहीं रख पाने के कारण फिर अपने विरोधियों को नया मौका दे देती है। हरियाणा में कांग्रेस ने यही कहा। राहुल ने बहुत लूज शाट खेला था। यह कहकर कि यह आपस में लड़ जाते हैं फिर इन्हें एक करने का काम मेरा है। गुटबाजी की बात इतनी हल्की नहीं थी कि राहुल इस तरह का केजुअल शाट खेल देते। मगर राजस्थान में भी इस तरह खेला और नतीजा वही हुआ। मैच गंवा दिया। अब बेलगावी कर्नाटक के सीडब्ल्यूसी में घोषणा की है कि यह साल 2025 संगठन का साल बनाएंगे। देखते हैं! संगठन को लेकर क्या सोच है इनकी। वैसे तो दो साल से ज्यादा हो गए हैं खरगे जी को अध्यक्ष बने। अब तक तो सब हो जाना चाहिए था। जिनके हेड रोल्स (सख्त सज़ा) होना थे हो जाना चाहिए थे। और जिन नए लोगों को मौका मिलना था मिल जाना चाहिए था।

बेलगावी की सीडब्ल्यूसी में एक बात बहुत खास कही गई है। अगर इन लोगों ने खरगे, राहुल, प्रियंका ने कर दी तो कांग्रेस का रूप चेंज हो जाएगा। वह बात कही गई है कि हम संगठन के लिए लोगों को ढुंढ कर निकालेंगे। यह काम इन्दिरा गांधी करती थीं। जनता में से पार्टी के सिम्पेथाइजर निकालना, उनमें से कार्यकर्ता बनाना और कार्यकर्ताओं को नेता बनाना। संगठन का तरीका ही यही है। आज की कांग्रेस को तो सिम्पेथाइजर शब्द मालूम ही नहीं होगा। कार्यकर्ता को तो भूल ही गए हैं। और नेता वही दिखते हैं जो इस गोदी मीडिया को खुश करके उसमें खुद को दिखाते रहते हैं। पता नहीं राहुल प्रियंका के दिमाग में यह सवाल आता है कि नहीं कि इनसे पूछें कि तुम्हें यह मीडिया इतना दिखा कैसे देता है? जो रात दिन हम लोगों को कोसता रहता हो। कांग्रेस के नाम में ही कीड़े निकालता रहता हो वह तुमसे किस बात पर खुश है?

मीडिया कांग्रेस के नाम पर खरगे, राहुल, प्रियंका को दिखाए, कांग्रेस की बातें बताए तब तो पार्टी को कुछ फायदा है। वरना इन कुछ नेताओं के मीडिया में चमकने से कांग्रेस को क्या फायदा? खैर हरियाणा में कांग्रेस ने अपना बहुत बड़ा नुकसान किया। अगर यह आपस में इस गंदे तरीके से नहीं लड़ते तो ईवीएम की कोशिशें भी शायद असफल हो जातीं। ईवीएम एक पहलू है। मगर जब पार्टी खुद ही कमजोर हो जाए तो ईवीएम को तो दूगनी ताकत से अपना खेल करने का मौका मिल जाता है। और मान लीजिए ईवीएम ने हराया तो फिर क्या यह भी मान लें कि आपने कोई गलती नहीं की। कोई नहीं चिल्ला रहा था कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो।

क्या मैं बनुंगा मुख्यमंत्री, मैं बनुंगी के प्रलाप से कोई नुकसान नहीं हुआ? तो फिर पार्टी अध्यक्ष खरगे ने नवंबर में दिल्ली की सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में यह क्यों कहा कि पार्टी के नेता एक दूसरे के हराने में लगे हुए थे? तो अगर हरियाणा नहीं गंवाया होता तो महाराष्ट्र में भी सीन यह नहीं होता। और 2025 कांग्रेस बहुत उत्साह से शुरू करती। लेकिन उत्साह कहीं नहीं है। भाजपा जिसमें होना चाहिए वह अपनी नकारात्मकता से निकल ही नहीं पा रही। गुजर गए मनमोहन सिंह से घबरा गई। उनके खिलाफ व्हट्सएप मुहिम शुरू कर दी।

गांधी नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सब खराब हैं। और इनमें सबसे उपर राहुल। राहुल के पीछे ऐसे पड़े रहते हैं जैसे राहुल के बारे में अगर एक दिन भी खराब बोलना बंद कर देंगे तो राहुल छा जाएगा। उन्हें यह नहीं मालूम कि राहुल तो छाया हुआ है। बस अपने खुद स्वभाव के कारण फिनिशर नहीं बन पा रहा। पहले भारत की क्रिक्रेट टीम के साथ भी यह समस्या थी। मगर फिर उन्होंने मैच फिनिश करना सीखा। मतलब खेले तो अच्छा और जीते भी। देखते हैं 2025 जिसके बारे में कांग्रेस ने अपनी बेलगावी सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में बड़ी बड़ी घोषणाएं की हैं क्या होता है। संगठनका महत्व है अपना। मगर नेतृत्व का सबसे ज्यादा है। नेतृत्व अपने नेताओं को जवाबदेह बनाने वाला होना चाहिए। इन्दिरा गांधी का नेतृत्व तो डर पैदा करता था।

डर इस बात का कि नेता गलत करेगा तो बचेगा नहीं। 1980 वापसी करते ही अर्जुन सिंह को बना दिया था मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री। सारे बड़े बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल प्रकाश चंद सेठी देखते रह गए। नया नेतृत्व पैदा कर दिया था। पता नहीं राहुल अपने मुख्यमंत्रियों से कामों का हिसाब किताब भी मांगते हैं या नहीं? ऐसे ही पार्टी के महासचिवों, प्रदेश अध्यक्षों, डिपार्टमेंट के चैयरमेनों से। यह काम नेतृत्व में किसी को करना पड़ेगा। खरगे खुद करें, प्रियंका करें। और राहुल जो वकाई कांग्रेस के सबसे बड़े जननेता हैं वे करें तो सबसे अच्छा। अभी राहुल का समय है। बीजेपी का कोई दांव कामयाब नहीं हो रहा। उनके विदेश जाने को मुद्दा बनाया जा रहा है। मगर नहीं बन रहा। लोग मानने लगे हैं कि राहुल उन जैसे हैं। हिप्पोक्रेट नहीं हैं। झूठे हार्ड वर्क 16- 18 घंटे काम करने की कहानी नहीं फैलाते हैं। छुट्टी जैसे हम सब मनाते हैं वह भी मनाते हैं। सबको मनाना भी चाहिए।

मगर यह जो राहुल का समय है जिसे क्रिकेट में फार्म कहते हैं। हमेशा रहने वाला नहीं है। फार्म को हमेशा अस्थाई माना जाता है। टेंपरेरी। क्लास को परमानेंट। स्थाई। राजनीति में क्लास क्या है? उच्च स्थिति में। अपने निर्णयों को मनवाना। मेहनत तो राहुल बहुत करते हैं। जनता में भी बहुत जाते हैं। दो यात्राएं जबर्दस्त रहीं। समाज के अलग कामकाजी समूहों में जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर लोकसभा में प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। हर काम में परफेक्ट। मगर नेता का काम होता है लोगों से काम लेना। सबसे बड़ा काम वही है। राजीव गांधी क्या कोई कम अच्छे प्रधानमंत्री थे? मगर टीम पर नियंत्रण नहीं रखा। परिणाम कुर्सी तो गई बदनाम अलग हुए। बाद में वीपी सिंह ने कहा कि बोफोर्स में कुछ नहीं था।

मगर उसका क्या मतलब। ऐसा ही अब 2 जी में कहा गया। मगर अब क्या? राजीव गांधी भी चले गए मनमोहन सिंह भी चले गए। नेता को अपने सामने स्थितियों पर कंट्रोल रखना होता है। गलत को गलत सामने साबित करना और अपने नेताओं से करवाना होता है 1977 की हार को इन्दिरा गांधी 1980 में गलत साबित कर दिया। अगर इससे ज्यादा टाइम लगा देतीं तो आज कहीं कांग्रेस होती भी? बाकी अभी राहुल का समय है। मगर उसका उपयोग कितना हो पा रहा है यह कांग्रेस को और खुद उन्हें देखना और सोचना है।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

भक्ति की गूंजः श्री श्याम बाबा की निशान शोभायात्रा में अरुण वोरा ने बढ़ाई आस्था की अलख

दुर्ग। श्री श्याम बाबा के 14वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य निशान शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक श्री अरुण वोरा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ यात्रा में भाग लेकर धर्म और आस्था की शक्ति का अनुभव किया। शोभायात्रा श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा से शुरू होकर श्री श्याम मंदिर, कादम्बरी नगर तक पहुंची। हजारों श्याम प्रेमियों ने बाबा श्याम को आस्था का प्रतीक निशान अर्पित किया। आयोजन की भव्यता को देखते हुए जिलेभर में विशेष तैयारियां की गईं। अरुण वोरा ने इस धार्मिक आयोजन को लेकर कहा, यह यात्रा न केवल भक्ति और आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज को एकजुट करने का माध्यम भी है। मैं इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों और श्रद्धालुओं को धन्यवाद देता हूँ। दुर्ग जिले में पहली बार सभी समाजों के लोगों ने मिलकर इस यात्रा का आयोजन किया, जिसमें दुर्ग, भिलाई और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री अरुण वोरा ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सद्भाव और एकता को बढ़ावा देते हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण रहा।

सतरंगी प्रोजेक्ट पर अमल सहित समाज सेवा के कई कार्य करेगा लीनेस क्लब

भिलाई। ऑल इंडिया लीनेस क्लब डि सीएम-1 सम्पदा के अंतर्गत लीनेस क्लब भिलाई का शपथ ग्रहण समारोह सुपेला स्थित एक होटल में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लीनेस क्लब की डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट ली अनिता कपूर, विशेष अतिथि ली. सुषमा उपाध्याय और शपथ अधिकारी लीनेस नूतन गंधोक विशेष रूप से उपस्थित रही। अतिथियों के स्वागत उद्बोधन मे निवृत्तमान, अध्यक्ष नीता गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को सदन मे प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस में लीनेस क्लब भिलाई को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष, सर्वश्रेष्ठ सचिव, सर्वश्रेष्ठ कोषाध्यक्ष के अलावा विभिन्न सेवा- गतिविधियां जिनमें प्रमुख कप से दिव्यांग सेवा साइट फर्स्ट फूड फॉर हंगर, बालिका शिक्षा, साथ अन्य सामाजिक कार्यों के लिये अवार्ड दिये गये। उन्होंने क्लब के सदस्यों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। शपथ अधिकारी लीनेस नूतन गंधोक ने सत्र 2025-26 के नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इनमें अध्यक्ष रीटा कुखरानियां सचिव-माला-पोपली, कोषाध्यक्ष- ली. राजश्री जैन ,उपाध्यक्ष ली कल्पना श्रीवास्तव, ली शालिनी सोनी, ली. नंदिनी हिवसे, सह सचिव हेतू लीने पुष्पा सिंह, उर्मिला टावरी, सीमा कुखरानिया, सह कोषाध्यक्ष लता गायकवाड, मीनाक्षी नागदेव और ममता मूंदड़ा शामिल हैं। इसी तरह टेमर हेतू सुषमा गुप्ता टेल ट्विस्टर' अरुणा लिंगाला, पी.आर.ओ जया त्रिवेदी, ग्रेटर प्रिया रस्तोगी एवं बी.ओ.डी मेम्बर्स को विधिपूर्वक शपथ दिलाई गई।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत संभाग स्तरीय कार्यशाला का हुआ सफल आयोजन

बाल विवाह की रोकथाम हेतु प्रशासन जन सामान्य से समन्वय बनाकर करे कार्य - संभाग आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मिशन वातसल्य योजना अंतर्गत "बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान" के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के सेमीनार कक्ष में एक दिवसीय संभाग स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दुर्ग संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक नंदलाल चौधरी उपस्थित थे।

संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है। बाल विवाह का दुष्प्रभाव स्वयं के जीवन के साथ-साथ समाज को भी दूषित करता है। संभाग आयुक्त ने अवगत कराया वर्तमान में राज्य में बाल विवाह की दर 12 प्रतिशत है। इस आंकड़े को कम करने के लिए संभाग में हम सबको प्रयास करना है। प्रशासन के समस्त विभाग जैसे स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग एवं जन सामान्य को भी समन्वय बनाकर बाल विवाह की रोकथाम हेतु निरंतर प्रयास करना है।

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा बाल विवाह अर्थात कम उम्र में शादी समाज की प्रगति में बाधा डालती है। बाल विवाह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से देश की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करती है। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए विशेषरूप से महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा बालिकाएं जल्द विवाह न करे। सबसे पहले सक्षम बनना आवश्यक है। बेटियां पहले सक्षम बने फिर विवाह करे। अभिभावक बेटियों, बहनों एवं महिलाओं को पढ़ाएं, उन्हे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करे और समाज की प्रगति में सहयोग करे।

कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक श्री नंदलाल चौधरी ने प्रमुख रूप से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा शासन प्रशासन बाल विवाह रोकथाम के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। इसके तहत चरणबद्ध रूप से संभाग स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। जिसकी शुरुआत दुर्ग संभाग से की गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए शासन प्रशासन समाज की सहभागिता से अभियान चला कर कार्य कर रही है। हमें लोगों को बाल विवाह एवं उससे होने वाले दुष्परिणाम के बारे में जागरूक करना है।

समाज के प्रमुख अपने अपने सामाजिक संगठनों में चर्चा कर जागरूकता लाने का कार्य करे। स्थानीय निकाय विशेष कर ग्राम पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने का प्रयास करे। कार्याशाला में बाल विवाह से संबंधित अनेक पहलुओं पर चर्चा की गई। युवोदय दुर्ग के दूत स्वयं सेवी टीम द्वारा बाल विवाह जागरूकता के लिए किए गए प्रयासों के बारे में बताया गया। प्रदेश में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की अवधारणा को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन दृढ़ संकल्पित है। इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देते हुए बाल विवाह से प्रदेश को मुक्त करने हेतु पंचायत राज संस्थाओं व नगरीय निकाय के जन प्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों, स्वयंसेवी संगठनों, महिला समूहों, युवा संगठनों, शासकीय विभागों, गैर-शासकीय संस्थानों एवं आमजनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

शासन और समाज की सहभागिता से बाल विवाह के विरुद्ध व्यापक जन समर्थन से आगामी 3 वर्षों में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने हेतु इस अभियान को संचालित किया जाना है। सामाजिक जागरूकता एवं गतिशीलता, किशोर सशक्तिकरण , मीडिया संवेदीकरण , बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के विषय में जागरूकता बढ़ाने जैसी रणनीतियों के अनुसार राज्य, जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर व्यापक जन जागरूकता लाने के प्रयास किए जाएंगे।

लीन क्वालिटी सर्कल तथा सेफ्टी सर्कल टीमों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पार एक्सीलेंस पुरस्कार जीता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। उन्नत स्वचालन और अत्याधुनिक नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल विभाग की ऊर्जावान टीमों ने क्यूसीफ्आई द्वारा 27 से 30 दिसम्बर 2024 तक ग्वालियर, मध्यप्रदेश में आयोजित नेशनल कन्वेंशन के सभी प्रारूपों क्वालिटी सर्कल, लीन क्वालिटी सर्कल तथा सेफ्टी सर्कल में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्षन करते हुए पार एक्सीलेंस पुरस्कार जीतने में कामयाबी हासिल की। मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम) योगेश शास्त्री के मार्गदर्शन में बीआरएम विभाग की 4 टीमों ने अपनी सृजनषीलता का प्रदर्षन कर पार एक्सीलेंस पुरस्कार जीता।

बीआरएम की सेफ्टी सर्कल टीम 'आरोहण' तथा 'रक्षार्थी', लीन क्वालिटी सर्कल की टीम 'उन्नयन' एवं क्वालिटी सर्कल की टीम 'सारथी' ने प्रतिष्ठित पार एक्सीलेंस पुरस्कार जीता। सेफ्टी सर्कल टीम 'आरोहण' के फेसिलिटेटर विजी मथाई और टीम के सदस्य प्रदीप कुमार, एन सतीश कुमार, अपु बेहरा तथा चंदन सिंग थे तथा टीम 'रक्षार्थी' के फेसिलिटेटर शिव कुमार और टीम के सदस्य रामचंद्र, नीरज चंद्राकर, पंकज कुमार, सूरज वर्मा तथा सुश्री सीमा कुमारी थी। लीन क्वालिटी सर्कल टीम 'उन्नयन' के फेसिलिटेटर शिव कुमार और टीम के सदस्य श्री एन सतीश कुमार, अपु बेहरा थे। क्वालिटी सर्कल टीम 'सारथी' के फेसिलिटेटर अनिल दिवेदी और टीम के सदस्य दीपेश चुघ, धनराज साहू, शुभम शिंदे, कुंतेलाल तथा यशवंत कुमार थे।

नेशनल कन्वेंशन ग्वालियर से लौटकर सभी टीमों ने बीआरएम के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम) योगेश शास्त्री को पुरस्कार सौंपा। योगेश शास्त्री ने सभी टीमों को उनकी अभिनव सोच और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत होने के लिए बधाई दी। इन सभी टीमों के अभिनव सोच एवं मॉडीफिक्केषन कार्यों से विभाग की उत्पादकता एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। इस अवसर पर उपस्थित विभाग के महाप्रबंधकगण एस एन त्रिपाठी, आशीष, शाश्वत मोहंती, समीर पांडे तथा शिखर तिवारी ने भी टीम की इस उपलब्धि पर सभी सदस्यों को बधाई दी एवं आगे भी श्रेष्ठ प्रदर्षन करने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

निदेशक प्रभारी ने ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस-3 व सिंटर प्लांट को रिकॉर्ड उत्पादन के लिए दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने नववर्ष के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र की रिकॉर्ड उत्पादन करने वाली इकाइयों ब्लास्ट फर्नेस-8, एसएमएस-3 व सिंटर प्लांट का दौरा कर रिकॉर्ड उत्पादन हेतु बधाई दी तथा संयंत्र बिरादरी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। साथ ही नए वर्ष में नई ऊर्जा के साथ आगामी वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर निदेषक प्रभारी के साथ भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेषक प्रभारी (वर्क्स) अंजनी कुमार तथा कार्यपालक निदेषक (प्रचालन) राकेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

निदेषक प्रभारी दासगुप्ता ने ब्लास्ट फर्नेस टीम की उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें उनके अथक प्रयासों और समर्पण के लिए बधाई दी, जिसके कारण उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुईं और उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित हुए। टीम को आगे भी नए मील के पत्थर स्थापित करने के लिए प्रयास जारी रखने हेतु प्रोत्साहित किया जो कि भिलाई इस्पात संयंत्र को इस्पात उद्योग में अग्रणी बनाए रखेगा तथा उत्पादन, स्थिरता और सुरक्षा में उत्कृष्टता के नए मानक के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा। उन्होंने उत्पादन दक्षता बढ़ाने, तकनीकी-आर्थिक सूचकांकों को अनुकूलित करने और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर जोर दिया।

टीम एसएमएस-3 की इस उपलब्धि पर निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेषक प्रभारी (वर्क्स) अंजनी कुमार तथा कार्यपालक निदेषक (प्रचालन) राकेष कुमार और मुख्य महाप्रबंधक (गुणवत्ता) राहुल श्रीवास्तव ने एसएमएस-3 शॉप फ्लोर का दौरा कर एसएमएस-3 टीम के समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया।

उच्च प्रबंधन की टीम ने सिंटर प्लांट का दौरा कर टीम को बधाई दी और कहा कि सिंटर प्लांट्स ने कुल सिंटर उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एसपी-2 और एसपी-3 ने सिंटर प्लांट्स के समग्र निष्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर कार्यशाला की गई आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर नगर पालिक निगम के स्व.मोतीलाल वोरा सभाकक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कमिश्नर सुमित अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता मोहन पूरी गोस्वामी,दिनेश नेताम,सी.एस.पी.पी.सी.एल आरके दानी,आरके जैन,वीपी मिश्रा, भवन अधिकारी गिरीश दिवान, अंजू देसाई,हरिशंकर साहू,विनोद मांझी,करण यादव,पंकज साहू,विकास दमाहे,प्रेरणा दुबे सहित अधिकारी उपस्थित रहे।ट्रेनर द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, मितानिन व निगम कर्मचारियों की टीम गठित को ट्रेनिंग दी गई। कार्यशाला में बताया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य देश के

नागरिकों को सस्ती और स्थायी ऊर्जा मुहैय्या कराना है। कार्यशाला में योजना के फायदे और क्रियान्वयन के तरीकों एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में बारिकी से जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सौर पैनलों के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए ऊर्जा उत्पन्न करने पर जोर देती है। इससे न केवल बिजली की कमी को दूर किया जा सकेगा, बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सस्ती बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

इस योजना के तहत सौर पैनल इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। योजना का एक अन्य लाभ है कि यह शहर क्षेत्रो एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पहुंच बढ़ाने में मदद करेगी, जिससे वहां की जीवनशैली में सुधार होगा।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने सौर ऊर्जा के महत्व और उसके प्रभावों पर प्रस्तुतियाँ दीं। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा का उपयोग न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी फायदेमंद है। कार्यशाला में एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया, जहां स्थानीय नागरिकों ने अपनी जिज्ञासाओं को साझा किया तथा विशेषज्ञों ने उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया और उन्हें योजना के फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर स्थानीय उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए, जहां सौर ऊर्जा के उपयोग से परिवारों ने अपनी बिजली की आवश्यकताओं को पूरा किया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य केवल बिजली प्रदान करना नहीं है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान देना भी है।कार्यशाला में यह भी बताया गया कि यह योजना न केवल ऊर्जा की कमी को दूर करने में मदद करेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर विकास को प्रोत्साहित भी करेगी। इसके माध्यम से नागरिकों को सस्ती, सुलभ और स्थायी बिजली की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कि कहा कि पीएम सूर्य घर योजना के पोर्टल या मोबाईल ऐप में जाकर पंजीयन कराएं और इस योजना के सभी लाभ उठाएं ।

प्लांट गैराज ने बीएसपी फ्लीट को मजबूत करने की दिशा में बढ़ाया कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लांट गैराज ने अपने फ्लीट (वाहन बेड़ा) में 01 जनवरी 2025 को 7 नए एसएमएल पिकअप और 2 एलएंडटी व्हील लोडर जोड़कर बीएसपी की संचालन क्षमता और परिचालन दक्षता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिसका उद्घाटन कार्यपालक निदेशक प्रभारी अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार और मुख्य महाप्रबंधक बिजय कुमार बेहरा ने किया।

कार्यपालक निदेशक प्रभारी अंजनी कुमार ने रिकॉर्ड समय में खरीद प्रक्रिया को पूरा करने के

लिए परियोजना प्रबंधक-महाप्रबंधक बी डी बाबू, परियोजना समन्वयक - महाप्रबंधक प्रदीप्ता भौमिक, एमएम-आईपीएम टीम, पीपी एंड ई विभाग और प्लांट गैराज विभाग की सामूहिक टीम द्वारा किए गए अथक प्रयासों की सराहना की है। कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने कहा कि ये वाहन प्लांट लॉजिस्टिक्स प्रबंधन की क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने खरीदारी की रणनीतिक योजना की सराहना की और विश्वास जताया कि ये नए वाहन समग्र दक्षता पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बिजय कुमार बेहरा ने निरंतर सुधार और नवाचार के प्रति समर्पण के लिए टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि नए व्हील लोडर्स और पिकअप्स की तैनाती प्लांट की आधुनिकीकरण और संचालन क्षमता में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मुख्य महाप्रबंधक ए के जोशी, महाप्रबंधक एस बालराज, महाप्रबंधक राकेश पांडे, महाप्रबंधक नबार्शी रॉय और अन्य सम्मानित अतिथियों ने इस पहल की सराहना की, और प्रक्रियाओं को सरल बनाने में आधुनिक उपकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उपस्थित अतिथियों ने फ्लीट के उन्नयन में किए गए प्रयासों की सराहना की।

पेंशन कोई एहसान नहीं, ये पिछली सेवाओं का भुगतान

दुर्ग। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की दुर्ग जिला शाखा द्वारा हीरक जयंती पूर्ण कर चुके वरिष्ठ पेंशनर्स का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। जीवन के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके पांच वरिष्ठ का सम्मान केशरी नन्दन हनुमान मंदिर मीनाक्षी नगर, दुर्ग में किया गया। सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों गजानन्द वर्मा,कुंवर सिंह सिन्हा, घनश्याम सोनी , सेवाराम दिल्लीवार एवं राजेन्द्र कुमार तिवारी का शाल-श्रीफल और पुष्प मालाओं से आत्मीयतापूर्ण सम्मान किया गया। अध्यक्ष बी.के.वर्मा, सचिव पी.आर.साहू और उच्च शिक्षा प्रभारी प्रो.महेश चन्द्र शर्मा ने महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

खास खबर...

यातायात दुरुस्त करने कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शुक्रवार को यातायात दुरूस्त करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिन-जिन स्थानों पर यातायात बाधित करने वाले पुरानी गाड़ियां सड़कों पर खड़ी है, उन्हें हटाया जाएं। साथ ही पुराने खंबे एवं बिजली के बॉक्स, पेड़ों की छटाई जल्द से जल्द किया जाएं।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिन-जिन स्थानों पर यातायात बाधित हो रहा है, उन स्थानों को चिंहाकित कर कार्रवाई की जाएं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि ज्यादातर प्रमुख मार्गों में फ्लैक्स रखने की वजह से भी यातायात बाधित होता है, ऐसे में उन फ्लैक्स एवं बैनरों को हटाने की कार्रवाई की जाएं। साथ ही पेड़ की छटाई जिन-जिन स्थानों पर नहीं हुई है, उन पेड़ों की छटाई जल्द से जल्द की जाएं। कलेक्टर ने कहा कि शहर में बिजली के तारों पर पेडों की टहनियां लटकने पर तत्काल छटाई की कार्रवाई की जाएं। कलेक्टर ने यातायात को दुरूस्त करने के लिए चैक-चैराहों पर अस्थायी रोटरी लगाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, आरटीओ आशीष देवांगन, समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

साइंस कॉलेज में राज्यस्तरीय युवा उत्सव 12 से, कलेक्टर ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर ली बैठक

रायपुर। राजधानी में तीन दिवसीय युवा उत्सव का आयोजन होगा। इसकी तैयारियों को लेकर कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने बैठक ली। यह आगामी 12 से 14 जनवरी को साइंस कालेज ग्राउंड में आयोजित होगी। कलेक्टर ने जिसमें प्रदेश के युवा अपनी

प्रतिभाओं की प्रस्तुति देगें। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यभार की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के लिए सभी अधिकारी जुट जाएं और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समर्पित होकर कार्य करें।

युवा उत्सव कार्यक्रम में देश के प्रख्यात कवि कुमार विश्वास, ने अपनी प्रस्तुति देंगे। साथ ही सुपर 30 फेम आंनद कुमार का प्रेरणादायक उद्धबोधन भी होगा। बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित जिले के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

दावा आपत्ति 7 तक

राजनांदगांव। रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण योजना अंतर्गत जिले के कुल 556 शासकीय शालाओं में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण सेवा के लिए योग्यताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदन पत्रों की स्क्रूटनी उपरांत पात्र-अपात्र आवेदकों की सूची जारी कर दी गई है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 7 जनवरी 2025 तक प्रस्तुत की जा सकती है। पात्र-अपात्र सूची का अवलोकन जिला परियोजना कार्यालय के कक्ष क्रमांक 112 के सूचना पटल पर किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात दावा आपत्ति संबंधी किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

5 स्थानों पर बच्चों, युवाओं को खेलने का सुरक्षित स्थान बॉक्स स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाएगा

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में राजधानी शहर रायपुर क्षेत्र में रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की लोकहितेशी मंशा के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आमजनों की सुविधाओं के विस्तार की दृष्टि से तेज गति से कार्य किये जा रहे हैं। इसके अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा राजधानी शहर में विभिन्न 5 स्थानों पर सुरक्षित तौर पर स्लम बस्तियों के रहवासी बच्चों, युवाओं को सुरक्षित स्थानों पर खेलने की जनसुविधा शीघ्र उपलब्ध करवाने की तैयारी की जा रही है।

नए साल में बिकी 10 करोड़ की शराब, 2 लाख किलो चिकन भी डकार गए लोग

रायपुर (ए.)। नए साल के जश्न ने इस बार पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 31 दिसंबर को रायपुर जिले में शराब और चिकन की बिक्री में जोरदार इजाफा हुआ। कुल मिलाकर 10 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई, जिसमें सबसे ज्यादा हिस्सा विदेशी शराब की बिक्री का रहा। वहीं, दो दिनों में लोगों ने 3 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत का दो लाख किलो चिकन चट कर लिया।

शराब बिक्री में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी

पिछले साल के मुकाबले इस साल शराब की बिक्री में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2023 में 31 दिसंबर को लगभग 8 करोड़ रुपये की शराब बिकी थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 10 करोड़ को पार कर गया। कीमतों में वृद्धि के कारण आबकारी विभाग को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ। शहर में फार्महाउस और होटलों में शराब परोसने के लिए 37 लोगों को विशेष लाइसेंस जारी किए गए। इनमें एक रिसोर्ट के साथ कई होटल और रेस्टोरेंट शामिल थे।

बदमाशों की क्लास ने डाली असर

हर साल आखिरी दिन होने वाले झगड़े और अपराधों को रोकने के लिए पुलिस ने एक सप्ताह पहले ही बदमाशों को पकड़कर समझाइश दी। वायरल हुए एक वीडियो में बदमाशों को उठक-बैठक करते और सख्त हिदायतें लेते देखा गया। इस कारण शहर में नए साल का जश्न अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रहा। इस साल का जश्न जहां बढ़ी हुई बिक्री और रिकॉर्ड तोड़ खर्च के लिए याद रखा जाएगा, वहीं पुलिस की सतर्कता और लोगों की जिम्मेदारी ने इसे सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण बना दिया।

चिकन बिक्री में भारी इजाफा

पोल्ट्री एक्सपर्ट डॉ. मनोज शुक्ला के अनुसार, 31 दिसंबर और 1 जनवरी को रायपुर में 2 लाख किलो चिकन की बिक्री हुई। प्रदेश में कुल 6 लाख किलो चिकन बिकने का अनुमान है, जिसमें 30 प्रतिशत अकेले रायपुर जिले से था। बुधवार को चिकन की मांग इतनी अधिक रही कि दुकानों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं।

ड्रोन और पुलिस की सतर्कता

जश्न के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने बड़े आयोजन स्थलों पर ड्रोन निगरानी की। एसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देश पर आयोजनों में सादी वर्दी में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। पुलिस ने बताया कि इस बार न तो किसी बड़ी झड़प की सूचना मिली, न ही कोई विवाद सामने आया। 24 प्रमुख स्थानों पर पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर नजर रखी।

इस संसार में जिसने भी जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है - रमेश भाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मृत्यु से कोई नहीं बच सकता, इस संसार में जो जन्म लिया है उसकी मृत्यु तय है। जन्म और मृत्यु की पीड़ा हर प्राणी को होती है। मरने से सारा जग डरा हुआ है। लेकिन संसार की इस भय को मिटाने वाली है श्रीमद्भागवत कथा। मोह को मिटाने वाली है यह कथा। सत्संग की प्राप्ति होती है तब विवेकरूपी सूर्य का उदय होता है और जीवन से अंधकार मिट जाता है। तब वो मरना, मरना नहीं वह तो मालिक से मिलाता है। जीव के पुरुषार्थ से कुछ नहीं होता,जो भी होता है प्रभु की कृपा से होता है।

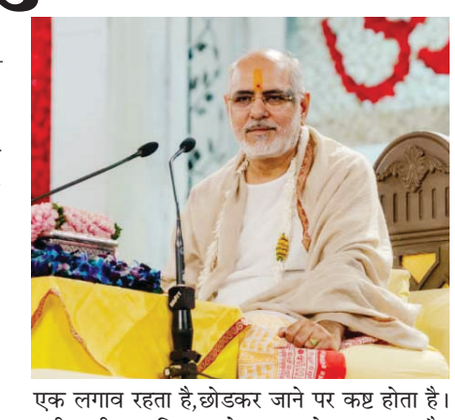

जैनम मानस भवन में श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन श्री रमेशभाई ओझा ने बताया कि हर प्राणी मृत्यु से भागता है, मरना नहीं चाहता। बच्चे को जन्म देते समय प्रसव पीड़ा मां को होती है, पर बच्चे को देखकर वातसल्य में वह दूर हो जाती है। मृत्यु की पीड़ा तो सुना जाता है अनुभव नहीं क्योकि यह तो मौत आने पर ही होगी। उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिस प्रकार एक किराये के मकान में रहते 90 साल बीत गए हो जहां से दादा-पिता को विदा किया हो यदि कोर्ट के फैसले के बाद मकान मालिक कह दे कि मकान खाली करो तो उस पीड़ा के अनुभव का अंदाजा लगा सकते हैं। ठीक उसी प्रकार यह शरीर भी किराये का मकान है जिसे हमारे मालिक ने दिया है। शरीर में जितनी आशक्ति बनी हुई है,सब के प्रति एक लगाव रहता है,छोडकर जाने पर कष्ट होता है। शरीररूपी मुसाफिर अपने लक्ष्य को भूल जाता है। जब सत्संग, श्रीरामकथा, गीता के प्रवचन में जाते हैं तब यह जागृत होता है। पवित्र मन से भागवत सुनने से भगवत प्रेम का उदय हो जाता है। जो स्वार्थरहित, निडररहित प्रेम बना देता है। सच्चे प्रेमी की यही पहचान है कि वह मौत से भी नहीं डरता है। अपने सुख की चिंता करना वासना है,लेकिन प्रेम में तो वह प्रियतम के सुख की चिंता करता है। प्रियतम से तुम सुख पाते हो तो वह भी भोग है। प्रेम दिए की लौ है और वासना धुंआ।

कल्चर लोगों की भाषा है संस्कृत,शालीन व्यक्तित्व वाले हैं उनकी भाषा है संस्कृत। भाषा विचारों की अभिव्यक्ति को प्रकट करता है। अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में अपने बच्चों को पढ़ाओ जरूर पर संस्कृत का कुछ श्लोक भी तो सिखाओं ताकि गर्व से कह सको हम हिंदू है-हम सनातनी हैं। अंधे भक्त होकर वेस्टर्न कल्चर का अनुसरण कर रहे हैं, लेकिन शायद ये नहीं मालूम कि यूरोप-लंदन में भी कई ऐसे स्कूल हैं जहां संस्कृत की क्लास में श्लोक सिखाये जाते हैं। उपनिषेदों के मंत्र बोलते हैं। इसलिए सब दिशाओं के जो सुविचार हो उसे प्राप्त करें, अपनी मातृभाषा पर गौरव करो। हमारा सनातन धर्म जीवंत है, था और हमेशा रहेगा।

खत्म हो रहा है समाज का ताना-बाना

कथा सत्संग के दौरान श्री ओझा ने बताया कि क्या हो गया है हमारे रिश्तों को, कि ये रिश्ते बोझ बनते जा रहे हैं। स्वार्थ और केवल स्वार्थ। खत्म हो रहा है समाज का ताना-बाना। सिवाय पीड़ा के क्या रह गया है? समझदारी, सहनशीलता खत्म हो जाने से आज दांपत्य जीवन समाप्त हो रहे हैं। लेकिन सीता के समर्पण और सती के सतीत्व से सीखें क्या होते हैं रिश्ते।

कथा सत्संग में आज शहाणी दरबार के प्रमुख संत युधिष्ठिर, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, श्रीचंद सुंदरानी पहुंचे थे। जैसे कि कथावाचक रमेशभाई ओझा ने कथा के दौरान कहा कि इलेक्टेड और सिलेक्टेड दो प्रकार के लोग होते हैं, हम लोग प्रभु के द्वारा सिलेक्टेड हैं इसलिए श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने का यह अवसर मिल रहा है।

चंपारण्य पहुंचकर की पूजा-अर्चना

इससे पूर्व आज सुबह प्रभु वल्लाभाचार्य की जन्मस्थली चंपारण्य पहुंचकर रमेश भाई ओझा ने चंपेश्वर महादेव की पूजा अर्चना की। मंदिर ट्रस्ट कमेटी की ओर से उनका स्वागत किया गया। भाई श्री के आने की खबर पर आसपास के श्रद्धालुजन काफी संख्या में पहुंच गए थे उन्होने आर्शिवाद प्रदान किया।

सीएम ने क्रेडा ऑफिस में कोताही बरतने वाले अधिकारी व कर्मचारियों पर दिखाए सख्त तेवर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विगत दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा मंत्रालय के सभी विभागों के सचिवों और विभागों के विभागाध्यक्षों की बैठक लेकर मुख्यमंत्री साय ने शासकीय कामकाज में पारदर्शिता और कसावट लाने के साथ-साथ आमजनता से जुड़े मामलों का तत्परतापूर्वक त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करने के निर्देश दिये गये थे। क्रेडा में भी इसका असर दिखने लगा है।

वैसे तो क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा द्वारा जब से कार्यभार ग्रहण किया गया है, तब से उनके द्वारा कार्यों की उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं इसमे जीरो टॉलरेंस नीति को फलीभूत करने का कार्य भी श्री राणा द्वारा सतत् रूप से किया जा रहा है। साथ ही क्रेडा के कार्यालयों में अनुशासन के लिए भी हमेशा उनके द्वारा किये जाने वाले प्रयास सार्थक रूप से परिलक्षित होते रहते है। किन्तु 2 जनवरी को सीईओ क्रेडा के सख्त तेवर क्रेडा में देर से आने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर दिखाई दिया। क्रेडा के सीईओ राणा द्वारा तड़के सुबह 10.15 बजे को क्रेडा के प्रधान कार्यालय रायपुर में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया गया। बहुत से अधिकारी-कर्मचारी की समय पर उपस्थिति नही होने से सीईओ क्रेडा ने ऐसे लापरवाह अधिकारी-कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए पत्र जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार पत्र में ऐसे लापरवाही करने वाले जोनल, जिला व प्रधान कार्यालय के अनुपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों का 01 दिवस के वेतन कटौती करने के दिये निर्देश।

इस पर तत्परता से भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए बायोमेट्रीक मशीन क्रेडा के प्रधान कार्यालय में लगा दी गई है, क्रेडा सीईओ के इस कदम के फलस्वरूप अब कल (3 जनवरी 2025) से सबकी उपस्थिति बायोमेट्रीक मशीन के माध्यम से होगी, जिससे माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन सुनिश्चित हो सके।

9 नए नगरीय निकाय व 7 नगर पंचायतों का नगर पालिका में उन्नयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले साल जनवरी से दिसम्बर के बीच नौ नए नगरीय निकायों का गठन किया गया है। राज्य शासन ने इस दौरान सात नगर पंचायतों का नगर पालिका के रूप में उन्नयन भी किया है। स्थानीय रहवासियों की मांगों पर राज्य शासन ने विचार करते हुए जन-आकांक्षाओं को पूरा करने नए नगरीय निकायों के गठन को मंजूरी दी है। इससे उभरते शहरों के रूप में विकसित हो रहे कस्बों में शहरी सुविधाएं जुटाने के कामों को और गति मिलेगी। राज्य में पिछले वर्ष गठित नगरीय निकायों को मिलाकर अब कुल 192 नगरीय निकाय हो गए हैं। इनमें 14 नगर निगम, 54 नगर पालिका और 124 नगर पंचायत शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य की कस्बाई आवादी की मांग और उभरते शहरों के अनुरूप अधोसंरचनात्मक विकास को गति देने बीते कैंलेडर वर्ष 2024 में नौ नए नगर पंचायतों का गठन किया गया है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की पहल पर स्थानीय जन-आकांक्षाओं को पूर्ण करने तथा उन्हें मूर्त रूप देने नए नगरीय निकायों के गठन तथा ज्यादा आबादी वाले नगर पंचायतों के नगर पालिकाओं में उन्नयन की त्वरित कार्यवाही की गई है।

जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की मांग पर वर्ष-2024 में जनवरी से दिसम्बर के बीच राजनांदगांव जिले के लाल बहादुर नगर और घुमका, मुंगेली के जरहागांव, कोरिया के पटना, बेमेतरा के कुसमी, गरियाबंद के देवभोग, सूरजपुर के शिवनंदनपुर, जांजगीर-चांपा के बम्हनीडीह और बालोद जिले के पलारी को नगर पंचायत बनाया गया है। वहीं जन-आकांक्षाओं को देखते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला नगर पंचायत और पेंड्रा नगर पंचायत का नगर पालिका के रूप में उन्नयन किया गया है। इनके साथ ही मुंगेली जिले के लोरमी नगर पंचायत, रायपुर के अभनपुर नगर पंचायत, बिलासपुर के बोदरी नगर पंचायत, बलौदाबाजार-भाटापारा के सिमगा नगर पंचायत और बलरामपुर-रामानुजगंज के रामानुजगंज को भी नगर पालिका के रूप में उन्नयन किया गया है।

सुधा सोसाइटी का नो पॉलिथीन अभियान

रायपुर। समाज सेवी संस्था सुधा सोसाइटी ने 1 जनवरी 2025 नव वर्ष से नो पॉलिथीन अभियान की शुरुआत सफायर ग्रीन से की। सुधा सोसाइटी रायपुर ने मानव जीवन में हानिकारक प्लास्टिक के प्रयोग के रोक थाम हेतु इस अभियान की शुरुआत की है।

इस अवसर पर सुधा के चेयरमैन गोपाल कृष्ण भटनागर एवं अध्यक्ष दीप्ति गोयल ने बताया कि प्लास्टिक पर्यावरण में विघटित नहीं होता। इसलिए यह मिटी,पहाड़ दर्शनीय स्थल , हवा, जल, कृषि भूमि, नदियों और महासागरों में जमा हो जाता है। महासागरों में प्लास्टिक के बारे में जागरूकता और चिंता बढ़ रही है। इसलिए सफायर ग्रीन में नए साल 2025 पर हमारे द्वारा यहां निवासरत निवासियों को कपड़े के थैलों (इस्तेमाल किए गए कपड़ों से बने) का नि:शुल्क वितरण किया। सभी निवासियों ने सहमति व्यक्त की और 1 जनवरी 2025 से पॉलिथीन बैग का उपयोग बंद करने का आश्वासन दिया।

सभी निवासियों ने पॉलिथीन बैग के बजाय कपड़े के सिले थैले का उपयोग करने की हमारी पहल को उत्साह पूर्वक अपनाने की स्वीकृति दी। यह एक गिलहरी प्रयास है जिसमें और लोग धीरे धीरे जुड़ेंगे ऐसा विश्वास है। यह जानकारी श्रीमति विजेता (मिनी) अग्रवाल ने दी।

बिजली खरीदी के टैरिफ में पांच साल में अंतर निकला 15 सौ करोड़ का

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हर माह ऊर्जा प्रभार पर जो फार्मूला फ्यूल पॉवर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफ्मीपीएएस) का शुल्क तय होता है, अक्टूबर से इसको दो हिस्सों में लिया जा रहा है। एक हिस्सा तो नियमित है, लेकिन दूसरा हिस्सा एनटीपीसी लारा के टैरिफ के अंतर का है।

केंद्रीय बिजली नियामक आयोग ने लारा का 2019 से अब तक का जो टैरिफ तय किया है, उसके कारण छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने लारा से जो अब तक बिजली खरीदी है, उसमें 15 सौ करोड़ का अंतर आया है। अब इसको छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को छह किस्तों में देना है, इसलिए उपभोक्ताओं से इसकी वसूली छह किस्तों में छह माह तक होगी। इसका प्रारंभ अक्टूबर से हो चुका है।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी प्रदेश के उपभोक्ताओं को जो बिजली उपलब्ध कराती है, वह बिजली उसके अपने संयंत्रों के साथ ही एनटीपीसी और अन्य संयंत्रों से ली जाती है। इसकी खरीदी पॉवर कंपनी करती है और इसका भुगतान किया जाता है। बिजली की उत्पादन लागत भी हर माह कम ज्यादा होने के कारण इसको टैरिफमें न जोड़कर इसके लिए एफ्मीपीएएस के माध्यम से इसका शुल्क उपभक्ताओं से अलग से लिया जाता है। पहले यह शुल्क वीसीए के रूप में लिया जाता था, लेकिन पिछले साल से इसको एफपीपीएस के माध्यम से लिया जाता है।

अचानक आया बकाया का मैसेज

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को दिसंबर का बिल जमा करने के बाद भी अचानक नए साल में बकाया होने का मैसेज आया। किसी उपभोक्ता का 70 रुपए तो किसी का 130 रुपए, किसी का 170 रुपए तो किसी का दो सौ रुपए और कई का इससे ज्यादा भी बकाया होने का मैसेज आया। इसके बारे में पॉवर कंपनियों के अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने बताया दरअसल यह लारा के टैरिफके अंतर की नवंबर में ली जाने वाली राशि है। कंपनी के अधिकारियों ने इसको पहले की तरह ही बिल में लेने की बात कही है और कहा है कि इसको अभी जमा करने की जरूरत नहीं है।

गोविंदा के साथ नहीं रहतीं पत्नी सुनीता! बोलीं- उसके पास रोमांस का वक्त नहीं

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने एक इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। साथ ही यह भी कहा है कि वह अगले जनम में गोविंदा को पति के रूप में नहीं चाहतीं। सुनीता ने कहा है कि वह और गोविंदा अलग-अलग रहते हैं। गोविंदा के पास रोमांस के लिए जरा भी वक्त नहीं है। गोविंदा और सुनीता की शादी को 37 साल हो चुके हैं और उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया जाता है। दोनों जब भी किसी इवेंट या शो में साथ नजर आए, तो खूब मस्ती करते दिखे।

बच्चों के साथ रहती हैं सुनीता और गोविंदा अलग

सुनीता आहूजा ने 'पिंकविला' को दिए इंटरव्यू में कहा, 'हमारे दो घर हैं। सामने एक मेरा बंगला भी है। हम फ्लैट में रहते हैं... मेरा मंदिर मेरे बच्चे सब। तो उनको क्या, वो मीटिंग के लिए उनको देर हो जाती है। उनको बात करने का बहुत शौक है। हम तीन घर में हैं, मैं, मेरी बेटी और मेरा बेटा, हम बहुत कम बात करते हैं क्योंकि मुझे ऐसा लगता है आप ओवर जब बात करते हो, यह एनर्जी की बर्बादी है। कुछ काम की बात हो रही है तो फिर समझ में आता है, पर फालतू की बात करना मेरे को पसंद नहीं है और ना मेरे बच्चों को पसंद है।'

'गोविंदा अगले जनम में पति नहीं चाहिए'

वह फिर बोलीं, 'और गोविंदा अपोजिट हैं। कोई फालतू भी आएगा ना वो बोलेगा, बैठ के बात करो। वो कभी-कभी ऑफिस में ही सो जाते हैं। उनको पता है कि मैं 4 बजे उठूंगी, 3 बजे उठूंगी, उनका भी नींद डिस्टर्ब होता है क्योंकि वो सोते हैं 3-4 बजे। पता नहीं करता क्या है वो।' सुनीता ने यह भी कहा कि गोविंदा के पास रोमांस का बिल्कुल भी टाइम नहीं है। उन्होंने गोविंदा से कह दिया कि अगले जनम में वो पति नहीं चाहिए। वह बोलीं, 'मैंने उसे बोल दिया कि मुझे अगले जनम में वो मेरा पति नहीं चाहिए। वो हॉलिडे पर नहीं जाता। मैं वो इंसान हूं जो पति के साथ बाहर जाकर स्ट्रीट पर पानी-पूरी खाना चाहती है। वो काम करने मे में ही सारा टाइम लगा देते हैं। मुझे एक भी वाकया ऐसा याद नहीं है जब हम साथ में मूवी देखने भी गए हों।'

सुनीता आहूजा ने आगे कहा, 'अब, मुझे नहीं पता कि वह वैसा हो गया है या नहीं। मैं फिर बोल रही हूं भरोसा नहीं करने का कभी भी। आदमी है ना गिरगिट की तरह रंग बदलता है भाई।' सुनीता फिर मजाक में बोलीं, 'हमारी शादी को 37 साल हो गए हैं। अब वो कहां जाएगा? पहले वह कभी कहीं नहीं जाता था, अब मुझे नहीं पता।'

सुनीता ने गोविंदा द्वारा चीट किए जाने पर भी चुटकी ली। वह बोलीं, 'पहले मैं अपनी शादी में काफी सुरक्षित महसूस करती थी, लेकिन अब नहीं करती। क्या है ना कि 60 के बाद लोग सठिया जाते हैं। वो (गोविंदा) 60 पार हो गया है, नहीं पता कि वो क्या करता है। मैंने बोला है उसे कि भैया 60 का हो गया है अब तू, सठियाना मत इस उम्र में।'

गोविंदा और सुनीता ने 1987 में की थी शादी

सुनीता आगे बोलीं, 'मुझे फर्क नहीं पड़ता था पहले। लेकिन अब जब 60 साल के हो गए हैं तो मुझे डर लगता है।' सुनीता और गोविंदा ने साल 1987 में शादी की थी। उनकी शादी को चार दशक हो चुके हैं। वो एक बेटी टीना और बेटे यशवर्धन के पैरेंट्स हैं। बेटा यशवर्धन जल्द ही फिल्मों में डेब्यू करने वाला है।

रूपाली गांगुली छोड़ेगी 'अनुपमा' अब शो में आएगा बड़ा बदलाव

पॉपुलर टीवी शो 'अनुपमा' ने अपनी दमदार कहानी और रोल से हर दिल में जगह बनाई है। शो में एक बड़ा बदलाव होने वाला है। ऐसे रुमर हैं कि शो की मेन किरदार और फैंस की फेवरेट रूपाली गांगुली अगले तीन महीनों में सीरीज को अलविदा कह सकती हैं। वह शो को छोड़ रही हैं। 'अनुपमा' की कहानी में हाल ही में 15 साल का बड़ा गैप दिखाया गया है।

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके साथ ही शो में प्रेम (शिवम खजूरिया) और राही (अद्रिजा रॉय) जैसे नए किरदार शामिल हुए हैं। कहानी अब इन दोनों की प्रेम कहानी पर केंद्रित हो गई है, जिससे रूपाली का स्क्रीन टाइम कम हो गया है।

शो में हो रहे बदलावः नए किरदारों की एंट्री

शो में हाल ही में कई बदलाव देखने को मिले हैं। अलीशा परवीन ने शो को अलविदा कहा और उनकी जगह अद्रिजा रॉय को लाया गया। नए किरदारों के आने से कहानी में नई ताजगी आई है, लेकिन इससे ऑडियंस के बीच विवाद और चर्चाएं भी बढ़ गई हैं। कहानी अब एक लव ट्रायंगल की ओर बढ़ रही है, जिसमें पुराने किरदारों की भूमिका घटती नजर आ रही है।

क्या रूपाली का शो छोड़ना होगा बड़ा झटका?

अगर रूपाली गांगुली सच में शो छोड़ती हैं, तो यह शो और ऑडियंस के लिए एक बड़ा झटका होगा। रूपाली का रोल 'अनुपमा' की जान रहा है। उनके जाने से शो में एक ऐसा खालीपन आएगा, जिसे भरना मेकर्स के लिए मुश्किल हो सकता है। उनकी जगह कोई और लीड लेकर आना ऑडियंस को इमोशनली जोड़ पाएगा या नहीं, यह देखना दिलचस्प होगा।

टीआरपी में गिरावटः नए बदलावों से क्या शो बच पाएगा?

पिछले कुछ हफ्तों से 'अनुपमा' ने अपनी नंबर 1 रैंक खो दी है। मौजूदा हफ्ते में शो चौथे नंबर पर खिसक गया है। नई कहानी और किरदारों की एंट्री से क्या शो फिर से ऑडियंस का प्यार जीत पाएगा? रूपाली गांगुली के शो छोड़ने की अफ्वाहों ने लोगों के बीच बेचैनी बढ़ा दी है। फैंस अब इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि शो के मेकर्स या एक्टर्स खुद इस पर कोई खुलासा करें। आने वाले दिनों में यह देखना रोमांचक होगा कि शो में क्या नए मोड़ आते हैं और लोगो इसे कैसे अपनाते हैं।

प्रियंका ने बिकिनी में मस्ती करते हुए मनाया न्यू ईयर

10 साल छोटे पति के साथ दिख गया बॉन्ड

नए साल के मौके पर सितारों का अलग-अलग जगहों पर स्टाइलिश रूप देखे को मिला। किसी ने घर पर परिवार के साथ समय बिताया, तो कोई छुट्टियां मनाने निकला। जहां सभी का स्टाइलिश रूप देखने को मिला, तो अब देर से अपने न्यू ईयर सेलिब्रेशन की झलक दिखाने के बाद भी प्रियंका चोपड़ा बाजी मार ले गईं। हसीना ने अपने 10 साल छोटे पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ तुर्क और कैकोस आइलैंड पर अपने वेकेशन की फोटोज शेयर की हैं। जहां सबका स्टाइलिश रूप देखने को मिला।

प्रियंका के हॉलिडे एल्बम में वह अपने परिवार के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं। कभी उन्होंने निक के साथ समुद्र किनारे मालती के साथ खेला, तो कभी वाटर स्पोर्ट करती भी नजर आईं। साथ ही उनका बिकिनी में अंदाज देखते ही बना। तभी तो अपनी परफेक्ट बॉडी को फ्लॉन्ट करती 42 साल की देसी गर्ल से जैसे सबके लिए नजरें हटाना मुश्किल सा हो गया। कभी देसी कपड़ों में, तो कभी अपने एब्स फ्लॉन्ट कर अदाएं दिखाने वाली प्रियंका ने न्यू ईयर की कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। सबसे पहले वह स्टाइलिश क्रॉप टॉप और मैचिंग शॉर्ट्स में दिखीं। जिस पर येलो, ब्लू, पर्पल और ऑरेंज शेड का लाइनिंग पैटर्न बना है। वहीं, बेटी मालती भी उनके साथ येलो बॉडी सूट और वाइट कैप में ट्विनिंग करते हुए प्यारी लगीं, तो निक ग्रे प्रिंटेड टी शर्ट और शर्ट्स पहने हुए हैं।

बिकिनी में तो क्या ही कहने

इसके बाद प्रियंका बिकिनी पहन ग्लैमर का तड़का लगा गईं। पहले स्वीमिंग पुल में पिंक कलर की बिकिनी, भीगी जुल्फे और टोन्ड बॉडी में हसीना का स्वीमिंग करने वाला अंदाज कातिलाना लगा, तो रेड कलर की बिकिनी में भी उनसे नजर नहीं हटी। जिसके साथ वह मैचिंग कैप भी लगाए दिखीं, तो निक ब्लैक टी-शर्ट और प्रिंटेड ग्रे शॉर्ट्स में नजर आ रहे हैं। वहीं, मालती ब्लू बॉडीसूट और कैप लगाए अपनी ही मस्ती में है। बिकिनी ही नहीं प्रियंका कंफी वाइट लूज फिटेड शर्ट में भी अपने स्टाइल से सबको दीवाना बना गईं। एक ओर वह निक के साथ वाइट कैप और काला चश्मा लगा अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं, तो दूसरी तरफ मालती को गोद में लिए हसीना ने शर्ट के साथ प्रिंटेड पजामा पहना और बालों को बांध लिया।

गले में पहना बेटी के नाम का नेकपीस

प्रियंका ने अपने सभी लुक्स को मिनिमल एक्सेसरीज के साथ स्टाइल किया। जहां किसी लुक में वह ईयररिंग्स पहने दिखीं, तो किसी में उन्होंने बस अपनी रिंग कैरी की। लेकिन, सबसे ज्यादा ध्यान उनके मोतियों वाले कस्टम नेकपीस ने खींचा। जिसमें उनकी लाडली मालती का नाम लिखा है, तो उनका स्टाइलिश चश्मा भी कमाल का लगा।

मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में करें शामिल, अपनाएं ये तरीके

मेडिटेशन मानसिक शांति और आत्म-संतुलन पाने में मदद कर सकता है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मेडिटेशन का महत्व और भी बढ़ गया है। अगर आप भी मेडिटेशन को शुरू करना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। आइए हम आपको पांच सरल तरीके बताएंगे, जिनसे आप आसानी से मेडिटेशन की शुरुआत कर सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। इन कदमों का पालन करके आप मानसिक शांति प्राप्त कर सकते हैं।

सही स्थान चुनें

मेडिटेशन के लिए एक शांत और आरामदायक स्थान चुनना बहुत जरूरी है। यह जगह ऐसी होनी चाहिए, जहां आपको कोई बाधा न हो और आप पूरी तरह से अपने विचारों में डूब सकें।घर का कोई कोना या बगीचा इस काम के लिए उपयुक्त हो सकता है। वहां बैठकर कुछ समय बिताएं ताकि आपका मन उस जगह से परिचित हो सके और वहां मेडिटेशन करना आसान हो जाए।

समय निर्धारित करें

मेडिटेशन के लिए एक निश्चित समय निर्धारित करना आपकी दिनचर्या को व्यवस्थित करने में मदद करता है। सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि तब मन शांत होता है और दिनभर की चिंताओं से मुक्त रहता है। अगर सुबह का समय संभव न हो तो शाम को भी मेडिटेशन किया जा सकता है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि नियमितता बनी रहे और आप इसके लाभ प्राप्त कर सकें।

आरामदायक मुद्रा अपनाएं

मेडिटेशन करते समय शरीर को आरामदायक स्थिति में रखना जरूरी होता है ताकि लंबे समय तक बैठने पर कोई असुविधा न हो। पद्मासन या सुखासन जैसी मुद्राएं आमतौर पर उपयोगी होती हैं। अगर ये कठिन लगें तो कुर्सी पर बैठकर भी मेडिटेशन किया जा सकता है। ध्यान रहे कि रीढ़ सीधी रहे और शरीर में कोई तनाव न हो। इससे आप अधिक समय तक मेडिटेशन में स्थिर रह सकेंगे और मन को शांति मिलेगी।

सांसों पर ध्यान केन्द्रित करें

सांसों पर ध्यान केंद्रित करना मेडिटेशन की शुरुआत के लिए एक सरल और प्रभावी तरीका है। जब आप धीरे-धीरे गहरी सांस लेते हैं और छोड़ते हैं तो इस प्रक्रिया पर पूरा मेडिटेशन दें। इससे आपके विचार शांत होंगे और मन को स्थिरता मिलेगी। नियमित अभ्यास से यह विधि मानसिक शांति प्रदान करती है और ध्यान की क्षमता को बढ़ाती है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि इसका अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

नियमित अभ्यास करें

मेडिटेशन में सफलता पाने के लिए नियमित अभ्यास बहुत अहम होता है। शुरुआत में कुछ मिनट ही सही लेकिन रोजाना अभ्यास करें ताकि धीरे-धीरे आपकी क्षमता बढ़े और आप अधिक देर तक बिना विचलित हुए बैठ सकें।नियमितता से ही आपको इसके लाभ महसूस होने लगेंगे। इन सरल कदमों के माध्यम से आप अपनी मेडिटेशन यात्रा शुरू कर सकते हैं और मानसिक शांति प्राप्त कर सकते हैं।

प्रेग्नेंसी की अफवाहों के बीच पति विक्की कौशल संग नजर आईं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड के कुछ कपल नए साल का जश्न मनाने के लिए विदेश गए थे। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिखाई दे रहा है कि कैटरीना कैफऔर विक्की कौशल मुंबई वापस आ गए हैं। बॉलीवुड के कुछ कपल नए साल का जश्न में मनाने के लिए विदेश गए थे। इन सितारों ने खास तरीके से न्यू ईयर सेलिब्रेट किया था। वहीं एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और विक्की कौशल भी विदेश पहुंचे थे। अब कपल वापस भारत आ रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कैटरीना कैफऔर विक्की कौशल एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। फैंस इस वीडियो को बहुत पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो में दोनों कैजुअल लुक में नजर आ रहे हैं। कैटरीना कैफ बिल्कुल सिंपल लुक में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस विदेश से नया साल मानकर वापस भरत लौटी हैं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बॉलीवुड कपल कैटरीना कैफ और विक्की कौशल हाल ही में मुंबई वापस आ गए हैं। कपल की एयरपोर्ट से कई तस्वीरें वायरल हो रही है। इस दौरान कैटरीना कैफने ब्लू कलर की मिडी ड्रेस पहनी है। वहीं विक्की कौशल ने व्हाइट शर्ट के साथ ब्राउन कार्गो कैरी किया है।कपल ने ब्लैक गॉगल्स पहना है। इस तस्वीर में दोनों बहुत प्यारे लग रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें जमकर वायरल हो रही है। कपल की तस्वीरों पर फैंस कमेंट की बारिश कर रहे हैं। इस फोटो को देखन के बाद एक यूजर ने लिखा-नजर ना लगे। वहीं दूसरे ने कहा-खूबसूरत जोड़ी। तीसरे ने कहा-वाह ये दोनों वापस आ गए।

प्रेग्नेंट नहीं हैं कैटरीना कैफ

लंबे समय से ऐसी अफवाहें है कि कैटरीना कैफ प्रेग्नेंट है, लेकिन ऐसा नहीं है। विक्की कौशल ने भी एक इवेंट के दौरान इस बात को अफवाह बताया था।

नीम की लकड़ी के कंघे से बालों को मिलेंगे ये 5 फायदे, कैसे करें इस्तेमाल

बालों की देखभाल के लिए सही कंघे का चुनाव बहुत अहम होता है। आजकल बाजार में कई तरह के कंघे उपलध हैं, लेकिन नीम की लकड़ी से बने कंघे का उपयोग आपके बालों के लिए विशेष लाभकारी हो सकता है। यह न केवल बालों को स्वस्थ रखता है बल्कि उन्हें प्राकृतिक चमक भी प्रदान करता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि नीम की लकड़ी के कंघे का इस्तेमाल करने से बालों को या- या फायदे मिल सकते हैं।

बालों की जड़ों को बना सकता है मजबूत

नीम की लकड़ी का कंघा बालों की जड़ों को मजबूती प्रदान करता है। जब आप इस कंघे से अपने बाल संवारते हैं तो यह आपके स्कैल्प पर हल्का मसाज करता है, जिससे रक्त संचार बढ़ता है।इससे आपके बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और उनका गिरना कम होता है। इसके अलावा यह खोपड़ी में मौजूद गंदगी और तेल को भी साफ करता है, जिससे आपका स्कैल्प स्वस्थ रहेगा।

रूसी और खुजली से दिला सकता है राहत

नीम अपने एंटी-बैक्टीरियल गुणों के लिए जाना जाता है, जो रूसी और खुजली जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। नीम की लकड़ी का कंघा नियमित रूप से इस्तेमाल करने पर स्कैल्प पर जमा बैक्टीरिया और फंगस को खत्म कर देता है। इससे न

केवल खुजली कम होती है बल्कि रूसी भी धीरे-धीरे समाप्त हो जाती हैं। इसके अलावा यह स्कैल्प को साफ और स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक होता है।

बालों का सुलझाना होता है आसान

नीम की लकड़ी का कंघा आपके उलझे बालों को आसानी से सुलझाने में मदद करता है। इसकी चिकनी सतह के कारण यह बिना खींचतान के बालों को सुलझा देता है, जिससे बाल टूटते या झड़ते नहीं हैं। इसके अलावा यह बालों की लंबाई बनाए रखने में भी सहायक होता है। इसका नियमित उपयोग करने से आपके बाल स्वस्थ और मजबूत बने रहते हैं, जिससे उनका गिरना भी कम होता है।

बालों में ला सकता है प्राकृतिक चमक

नीम की लकड़ी के कंघे का नियमित उपयोग आपके बालों को प्राकृतिक चमक देता है। जब आप इस कंघे से बाल संवारते हैं तो नीम का तेल धीरे-धीरे स्कैल्प पर फैलता है, जिससे बाल मुलायम और चमकदार बनते हैं। यह तेल बालों को नमी और पोषण प्रदान करता है, जिससे वे उलझने से बचते हैं और टूटने से भी सुरक्षित रहते हैं। नीम के कंघे का उपयोग आपके बालों को स्वस्थ और आकर्षक बनाए रखता है।

पर्यावरण अनुकूल विकल्प

नीम की लकड़ी का कंघा पर्यावरण के लिए एक अनुकूल विकल्प है। यह जैविक पदार्थों से बना होता है, जो प्रदूषण नहीं फैलाते।प्लास्टिक या धातु के कंघों के विपरीत, यह प्राकृतिक रूप से सुरक्षित है।इसके अलावा नीम की लकड़ी का कंघा लंबे समय तक चलता है, जिससे बार-बार नया खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती।यह टिकाऊ और मजबूत होता है, जो आपके बालों को बिना नुकसान पहुंचाए संवारता है और पर्यावरण को भी सुरक्षित रखता है।

किसानों के लिए उपयोगी है कृषि दर्शिकाः मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज यहां नया रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2025 का विमोचन किया। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि दर्शिका में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों के साथ ही नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी तथा किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारियों को शामिल किया गया है।

यह कृषि दर्शिका किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कृषि विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के किसानों के हित में इसी प्रकार निरंतर प्रयासरत रहे। मंत्री श्री नेताम ने कृषि दर्शिका के प्रकाशन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं उनके सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि मंत्री को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2025 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका में छत्तीसगढ़ राज्य की सामान्य जानकारी, कृषि क्षेत्रफल, प्रमुख कृषि फसलों, उनकी उत्पादन तकनीक, कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्य योजनाओं, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी शामिल किया गया है।

दर्शिका में विभिन्न खरीफ एवं रबी फसलों जिनमें अनाज, दलहन, तिलहन, लघु धान्य फसलें, चारा फसलें, औषधीय एवं सुगंधित फसलें तथा फल, फूल एवं सब्जी वाली फसलों की उन्नत कृषि कार्यमाला प्रकाशित की जाती है। इसके साथ ही कृषि विश्वविद्यालय की विगत वर्ष की गतिविधियों एवं उपलब्धियों, विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों तथा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एवं प्रसारित कृषक उपयोगी प्रौद्योगिकी की जानकारी भी प्रकाशित की जाती है। विभिन्न फसलों के प्रमुख कीट एवं प्रमुख रोग तथा उनका प्रबंधन भी शामिल किया जाता है। इसके साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए संचालित विकास एवं कल्याण योजनाओं, उनके तहत दी जाने वाली सुविधाओं एवं अनुदान के संबंध में जानकारी दी जाती है।

कृषि दर्शिका में कृषि विश्वविद्यालय, कृषि तथा संबंधित विभागों एवं किसानों के लिए उपयोगी अन्य संपर्क सूत्रों की जानकारी भी प्रकाशित की गई है। विमोचन समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेश विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, डॉ. नीता खरे, डॉ. ज्योति भट्ट, डॉ. दीप्ति झा एवं संजय नैयर उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के विकास को मिली नई रफ्तारः केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री ने बीजापुर को 36 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दीवन मंत्री ने बीजापुर को 36 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी वन एवं जलवायु परिवर्तन एवं बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान शुक्रवार को मिनी स्टेडियम में आयोजित आमसभा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने बीजापुर जिले के विकास के लिए 36 करोड़ 41 लाख रुपये की सौगात दी, जिसमें 32 करोड़ 26 लाख रूपए के कार्यों का भूमिपूजन और 4 करोड़ 15 लाख रूपए की लागत वाले कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

सरकार ने सुशासन के एक वर्ष में ही दूरदराज के क्षेत्रों में बिजली, सड़क, पानी, स्कूल और अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई हैं। नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत बस्तर के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में विकास की गाथा लिखी जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर गरीबों के पक्के घर के सपने को साकार किया है। किसानों के लिए 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और लंबित बोनस का भुगतान किया है। वहीं तेन्दूपत्ता संग्राहकों से 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी कर वनवासियों की आय में वृद्धि की है। कार्यक्रम को सांसद महेश कश्यप ने भी सम्बोधित किया और कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए काम कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान केदार कश्यप ने विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया। उन्होंने पूर्ण आवास प्राप्त हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाबियां सौंपीं, जबकि नए आवास के लिए स्वीकृति पत्र वितरित किए। स्व-सहायता समूहों को 75 हजार और 3 लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

सरकार निर्माण के साथ विकास के कार्यों को दे रही प्राथमिकताः मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार शहरों के साथ-साथ गाँव के चहुँमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार निर्माण कार्यो के साथ अन्य विकास के कार्यो को प्राथमिकता से कर रही है। विगत पांच वर्षों में जो काम नहीं हुआ है, ऐसे कामों को भी पूरा किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति से बच्चों को भविष्य निर्माण में सुविधा होगी। विद्यार्थी अपने प्रतिभा और लक्ष्य के अनुरूप विषयों का चयन कर भविष्य निर्माण कर सकते हैं। आमजनों की आवश्यकता और बुनियादी चीजों को ध्यान रखते हुए सरकार कार्य कर रही है।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने रायपुर जिले के ग्राम खपरीकला, ताराशिव और सरोरा में आयोजित सामुदायिक भवन के लोकार्पण और शाला वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में कहा। उन्होंने कहा कि प्रतिभा बच्चों में जन्म से ही होता है, जरूरत इस बात है कि उस प्रतिभा को अवसर मिलें। विद्यार्थी अपने लक्ष्य का निर्धारण पहले करें और उसके अनुरूप मेहनत करें। मेहनत के बिना सफलता की कल्पना करना कठिन है। इस अवसर पर उन्होंने खपरीकला हायर सेकंडरी स्कूल में शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपए के साथ-साथ मंच निर्माण और स्कूल में अहाता निर्माण के लिए 5-5 लाख रुपए और ताराशिव में विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए 15 लाख रुपए की घोषणा की। इस अवसर पर जिला पंचायत रायपुर के सभापति, जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी सहित बडी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मंत्री राजवाड़े ने सक्ती जिले में ली समीक्षा बैठक

शासन की जनहितकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सक्ती जिले के कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में सभी विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जिले में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन करते हुए आमजन को ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को विभिन्न ग्राम पंचायतों में जाकर स्व-सहायता समूह को स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य कार्यों के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए है।

समीक्षा बैठक में सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व विधायक डॉक्टर खिलावन साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विद्या सिदार, जिला पंचायत सदस्य श्री टिकेश्वर गबेल, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अमृत विकास तोपनो, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा सहित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने समीक्षा बैठक में सक्ती जिले में अब तक किये गए पौधरोपण के कार्यों की जानकारी लेते हुए रोपित किये गए पौधों की देख रेख करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने समीक्षा बैठक में जिले के विभिन्न ग्रामों में मनरेगा अंतर्गत कौन-कौन से कार्य चल रहे है तथा कितने लोगों को मनरेगा अंतर्गत कार्य उपलब्ध कराया गया है की विस्तारपूर्वक जानकारी ली। श्रीमती राजवाड़े ने जिले के किसानों को धान के बदले अन्य फसल लेने के लिए कृषि विभाग के मैदानी अमलों द्वारा जमीनी स्तर पर जागरुक करते हुए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य अधिकारी से धान खरीदी कार्यो की जानकारी ली। जिले में बारदानो की उपलब्धता, धान उठाव की स्थिति, संग्रहण केन्द्रों की भण्डारण क्षमता, छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत जारी किये गए राशनकार्ड की संख्या सहित अन्य कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुए सुव्यवस्थित रूप से धान खरीदी कार्य कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में विभिन्न निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत पूरक पोषण आहार कार्यक्रम, गर्भवती महिलाओ की संख्या, शिशुवती माताओं की संख्या, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, पोषण पुनर्वास केंद्र, नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृधि योजना सहित अन्य विभिन्न विभागीय योजनाओं व कार्यों की विस्तार से जानकारी ली।

मंत्री ने सक्ती जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका भर्ती प्रक्रिया के वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा उक्त भर्ती प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और उचित ढंग से नियमानुसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने महतारी वंदन योजना के लक्ष्य और उसके विरुद्ध किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। मंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों की व्यवस्थाए अच्छी रखने तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले बच्चों को नैतिक शिक्षा देने कहा। मंत्री राजवाड़े ने कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभागों के योजनाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी जरूरतमंद को मिले।

नियद नेल्ला नार योजना : खाता खुलवाना और पैसा निकालना अब हुआ आसान

गाँवों में समूह की दीदियाँ पहुँचा रही बैंकिंग सुविधा, बैंक दूर होने से ग्रामीणों को होती थी परेशानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नियद नेल्ला नार योजनांतर्गत सुकमा जिले के दूरस्थ गाँव जो मुख्य शहर से काफ़ी दूर स्थित होते हैं वहाँ बैंक सुविधाओं को पहुंचाना बहुत कठिन कार्य होता है। वर्तमान में शासकीय योजनाओं की राशि भी डीबीटीएल के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के बैंक खाते में अंतरित की जाती है। ऐसे में ग्रामीणों को लेन देन के लिए बैंक तक जाना बहुत मुश्किल होता था।

हितग्राहियों से बैंको की दूरी कम करने के लिए जिला पंचायत सुकमा के सीईओ श्रीमती नम्रता जैन के द्वारा अभिनव पहल किया गया है जिसमें एनआरएलएम बिहान के स्व-सहायता समूह की दीदियों के द्वारा बीसी सखी के रूप में गांव में शिविर लगाकर और घर-घर जाकर बैंकिंग सुविधा प्रदान किया जा रहा है। बीसी सखी के द्वारा ग्रामीणों के बैंक संबंधी सारा काम घर पहुंच उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे ग्रामीणों के बैंक तक आने जाने का समय और पैसा दोनों बच रहा है। अपने घर में ही बैंक सुविधा मिल जाने से ग्रामीण बहुत खुश हैं। बैंक सखियों को भी इस कार्य से आमदनी हो रही है जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता की राह मिली है।

नेटवर्क की पहुंच से हुआ काम आसान

नियद नेल्ला नार योजनांतर्गत चिन्हांकित गाँवों में नेटवर्क लग जाने से बीसी सखी दीदीयों के द्वारा पैसे का लेन देन किया जा रहा है। आधार इनेबल मशीन की सहायता से हितग्राहियों को आवश्यकतानुसार उनके खाते से पैसे निकालकर भुगतान भी किया जा रहा है। बीसी सखी के द्वारा उनके गाँव में घर घर जाकर उनका जनधन खाता भी खोला जा रहा है। नियद नेल्ला नार योजनांतर्गत गाँव सिलगेर, एलमागुण्डा, दुलेड़, परिया, दुब्बामरका और सामसट्टी में 6 बीसी सखियों भारती कोरसा, सुष्मिता माडकाम, पोड़ियाम कोइंदे, माडवी राजू, वंजाम जोगी और मीडियाम मनोज के द्वारा नक़द लेन देन संबंधी कार्य सहजता से किया जा रहा है।

उनके द्वारा दिसंबर माह में कुल 106 हितग्राहियों को ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के माध्यम से लगभग 67 हज़ार रुपये का भुगतान किया गया। दूरस्थ गांवों में ग्रामीणों के द्वारा बैंकिंग सेवा के माध्यम से पैसा आहरण करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। वे अपने खाते से 100, 200 तो कभी 500 रुपये का आहरण कर रहे हैं। घर पहुंच पैसा मिल जाने से ग्रामीण बहुत खुश हैं।

पारंपरिक खेती छोड़ परिमल ने शुरू की गेंदे के फूलों की खेती, बंपर उत्पादन से दुगुनी हुई कमाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर के चठिरमा निवासी परिमल व्यापारी गेंदे के फूलों की खेती कर रहे हैं। पारंपरिक खेती की तुलना में बागवानी या फूलों की खेती किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। उन्नत किसान के रूप में परिमल का जीवन इन फूलों की ही तरह महकने लगा है।

परिमल बताते हैं कि वो तीन वर्षों से गेंदे की खेती कर रहें हैं। शुरुआती दो वर्ष में जानकारी के अभाव में उनकी आमदनी कम होती थी, तब उन्होंने उद्यानिकी विभाग से सम्पर्क किया। विभाग के द्वारा उन्हें वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत 1280 पौधे एवं 6400 रुपए की अनुदान सहायता राशि प्राप्त हुई। इसके बाद विभाग की मदद एवं सलाह से उत्पादन में वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि उन्हें ड्रिप पद्धति से खेती की जानकारी दी गई, समय-समय पर दवा के छिड़काव सहित अन्य उपायों के बारे में भी बताया गया।

परिमल बताते हैं कि गेंदे की खेती से महज तीन माह में ही आमदनी मिलनी शुरू हो जाती है। वे एक वर्ष में 2 सीजन में खेती करते हैं, उन्होंने अपने 0.400 एकड़ रकबे में गेंदा लगाया है। पहले प्रति सीजन मात्र 15 से 20 हजार तक होने वाली कमाई अब विभागीय सहायता के कारण 45 से 50 हजार तक हो जा रही है। तीज-त्यौहारों के समय तो मांग बढ़ने से आमदनी और बढ़ जाती है।

लागत में कमी के साथ पानी की भी होती है बचत

इससे पहले वे पारम्परिक खेती करते थे, जिसमें लागत अधिक था। वहीं पानी की खपत भी अधिक थी, बेमौसम बारिश एवं अन्य आपदाओं के कारण नुकसान का डर बना रहता था। फूलों की खेती कम लागत में अधिक मुनाफ़ा देती है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर हम उद्यानिकी विभाग से भी सम्पर्क कर लेते हैं।

जिला प्रशासन ने किया नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिला प्रशासन द्वारा आज संयुक्त जिला कार्यालय सिवनी के समीप स्थित ऑफिसर क्लब में आज नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल, पुलिस अधीक्षक एसआर भगत, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं अजय किशोर लकरा, एडीशनल एसपी श्रीमती मोनिका ठाकुर सहित सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारी, संयुक्त एवं डिप्टी कलेक्टर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चन्द्रवाल ने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को नये साल में आम जनता के हितों के लिए सदैव संकल्पित रहकर बालोद जिले को प्रत्येक क्षेत्रों में अग्रणी बनाने हेतु नया संकल्प लेने की अपील की।

कलेक्टर चन्द्रवाल ने नये साल में समाज के बेहतरी एवं अपने शासकीय दायित्वों के सफ्लतापूर्वक निर्वहन हेतु निरंतर ज्ञानार्जन करते रहने तथा नेक कार्य करने की भी संकल्प लेने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने बालोद जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के कार्यों एवं व्यवहार की भूरी-भूरी सराहना की।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

बस स्टैंड के पास मिली खून से सनी लाश, जांच में जुटी पुलिस

कोरबा (ए.)। कोरबा जिले के रजगामार चौकी अंतर्गत डेंगूरडीह गांव के पास सड़क किनारे स्थित बस स्टैंड होटल के पास देर रात एक शख्स की रक्तरंजित लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर कई धारदार हथियार से हमले के निशान पाए गए, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सीएसपी भूषण एक्का सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। बता दें कि मृतक की शिनाख्त राम कुमार राठिया (उम्र 45 साल) के रूप में हुई है, जो कि डेंगूरडीह का रहने वाला था। मौके पर मामले की जांच के लिए पुलिस डॉग स्क्वायड की भी मदद ले रही है। पुलिस की पूछताछ में मृतक के परिजनों ने बताया कि राम कुमार की शादी को 22 साल हो चुके थे और वह मजदूरी का काम करता था। राम कुमार की पहली पत्नी अंगूरी बाई किसी दूसरे व्यक्ति के साथ भागकर शादी कर चुकी थी। उसका एक लड़का भी है, जो अपने पिता के साथ रहता था। आसपास के लोगों ने राम कुमार को आखिरी बार शुक्रवार की शाम सड़क किनारे होटल के पास घूमते हुए देखा था। जहां कुछ देर बाद उसकी खून से सनी लाश मिली। घटना कब, कैसे और किन परिस्थितियों में घटित हुई, यह आसपास के किसी व्यक्ति को पता नहीं है।

शराब पीने के लिए पैसे नही दिये तो कर दी दोस्त की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जिले के डेंगूरडीह गांव के पास सड़क किनारे स्थित बस स्टैंड होटल के पास मिली युवक की लाश के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने मृतक के दोस्त को ही हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। बता दें कि शुक्रवार रात को जिले के डेंगूरडीह गांव के पास सड़क किनारे स्थित बस स्टैंड होटल के पास एक युवक की रक्तरंजित लाश मिली थी। मृतक की पहचान रामकुमार के रूप में हुइ थी। मामले में पुलिस हत्या का केस तैयार कर अज्ञात आरोपी की तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि घटना वाली रात मृतक अपने दोस्त झूल सिंह उर्फ भैया अघरिया के साथ देखा गया था। जिसके बाद पुलिस ने झूलसिंह को पकड़कर उससे पुछताछ की। झूलसिंह पहले तो इस मामले में शामिल होने से इंकार करता रहा पर जब पुलिस ने कड़ाई से पुछताछ की जो उसने अपना जुर्म कबुल कर लिया और पुलिस को बताया कि घटना की रात उसने मृतक रामकुमार से शराब पीने के लिए पैसे की मांग की थी किंतु रामकुमार ने पैसे होते हुए भी उसे पैसे देने से इंकार कर दिया और यह बात झूलसिंह को बुरी लगी और उसने अपने पास रखे टंगिये से हमला कर रामकुमार की हत्या कर दी और फरार हो गया।

मड़ई मेले में विवाद, बदला लेने नाबालिक की कर दी हत्या, दो नाबालिग सहित चार हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाना क्षेत्र में 10 दिन पहले हुई युवक की हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिग सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने आपासी विवाद के बाद बदला लेने की नीयत से 16 साल के नाबालिग की हत्या कर दी। सभी अमलेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम पाहंदा में मड़ई मेला देखने पहुंचे थे। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही हत्याकांड में प्रयुक्त मोटर साइकिल भी बरामद कर लिया है। एन्टी काईम एण्ड सायबर युनिट दुर्ग व थाना अमलेश्वर की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की।

अमलेश्वर में हुई अंधे कत्ल का खुलासा

बता दें कि 24 दिसंबर को ग्राम पांहदा थाना अमलेश्वर क्षेत्रांतर्गत सोसायटी के सामने मेन रोड के किनारे लहु सुहान अवस्था में युवक का शव मिला। इसकी जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान उमेश यदु पिता पवन कुमार यदु (16) निवासी ग्राम पांहदा के रूप में हुई। पीएम रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में पुलिस ने धारा 103 (1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर एसीसीयू व थाना अमलेश्वर से संयुक्त टीम का गठन कर आरोपियों की पता तलाश में लगाया गया। टीम द्वारा घटना स्थल का बारीकी से मुआयना किया गया।

आसपास के सीसी टीवी फुटेज लेने के बाद त्रिनयन एप के माध्यम से आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इस बीच 24 दिसंबर की रात करीबन 12:15 बजे एक मोटर सायकल पर चार संदेही सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिये। इसके बाद टीम ने साइबर प्रहरी ग्रुप में संदेहियों का फोटो वायरल कर पतासाजी शुरू की गई। इस बीच सयंदेहियों के फुटेज को ग्राम झीट में पहचान कराया गया। ग्रामीण फुटेज में लाल रंग का जैकेट पहने एवं नीला जींस पहने व्यक्ति को देखकर नवीन सिंघोरे निवासी झीट का होना बताया। इसके बाद टीम ने नवीन सिंगोरे को हिरासत में लिया। नवीन सिंगोरे से पूछताछ करने पर लोचन सिंधोरे उर्फ बंटी एंव दो नाबालिगों के साथ उक्त घटना को अंजाम देना बताया। पुलिस ने तीनों को भी गिरफ्तार कर लिया।

मड़ई मेले में हुआ था विवाद

आरोपी नवीन कुमार सिंघोरे ने बताया कि 24 दिसंबर 24 को वह अपनी मोटर सायकल क्रमांक सीजी 07 सीई 2473 सीडी डिलक्स में अपने तीन अन्य साथियों के साथ मेला घुमने ग्राम पांहदा गया था। घूमते समय रात करीबन 9:30 बजे ग्राम पंचायत पांहदा के पास गांव के कुछ लोगों के साथ शराब के नशे में वाद-विवाद हुआ था। इसके बाद सभी वापस गांव लौट गए। गांव में शराब पीने के बाद नवीन सिंधोरे अपने घर से धार दार चाकू लेकर आया और चारों फिर से पाहंदा पहुंचे। रात करीब 12:15 बजे सोसायटी के सामने दो अपचारी बालक पानी पीने के लिए बोरिंग के पास रुके। इस दौरान नवीन तथा उसका साथी लोचन उर्फबंटी सोसायटी की सीडी पर बैठे उमेश यदु से उलझ गए। इनके बीच फ्री-फायर गेम खेलने को लेकर आपसी गाली-गलौज हुई। इतने में नवीन ने धारदार चाकू से उमेश के सीने पर मार दिया। इसके बाद लोचन उर्फ बंटी लात मारकर मृतक उमेश यदु को नीचे गिरा दिया। इसके बाद उमेश को वहीं तड़पता छोड़कर सभी भाग गए। आरोपी के निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू व मोटर सायकल क्रमांक सीजी 07 सीई 2473 सीडी डिलक्स को बरामद किया गया।

राजधानी के 15 प्रमुख चौक-चौराहों में ट्रैफिक होगा दुरूस्त, अतिक्रमण हटाकर बढ़ाई चौड़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर आमजनों को राहत देने राजधानी में यातायात व्यवस्था को दुरूस्त करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में शहर के 15 प्रमुख चौक-चौराहों का चिंहाकन किया गया है। जहां पर ट्रैफिक को दुरूस्त करने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही व्यस्तम मार्गों से अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सड़कों के किनारे लगे बोर्ड को हटाकर उन सभी मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है और सड़कों के किनारे लगे बिजली पोल से बाधित होने वाले सड़कों का चिंहाकन कर पोल को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा उन मार्गों की चैड़ाई भी बढ़ाई जा रही है। इससे आने वाले दिनों में निश्चित तौर सड़कों में ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी और सड़कों की चौड़ाई बढ़ने से यातायात भी सुगम होगा।

नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने बताया कि कलेक्टर डॉ. सिंह के निर्देश पर वीआईपी रोड के सड़कों के किनारे लगे पेड़ों की छटाई की जा रही है। इसके लिए नगर निगम और वन विभाग की टीम का गठन किया गया है। संयुक्त टीम वीआईपी रोड के

अलावा प्रमुख जिन भी मार्गों में वृक्षों की वजह से यातायात संचालन में बाधा आ रही है, उन वृक्षों की छटाई करेगी। रायपुरा ओव्हर ब्रिज के नीचे वाली सड़कों में यातायात बाधित न हो, इसके लिए बोर्ड्स को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उन मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है। शंकर नगर क्षेत्र में सड़कों के किनारे लगे बिजली के पोल को हटाकर शिफ्ट किया जा रहा है। इसके बाद उन मार्गों को भी चौड़ा किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर रायपुर शहर की ट्रैफिक की समस्या को दूर करने के लिए प्रहरी टीम का गठन किया गया है। यह टीम प्रत्येक मार्गों में पहुंचकर यातायात को दुरूस्त करने का कार्य कर रही है। साथ ही 3 जनवरी को कलेक्टर ने ट्रैफिक संचालन को बेहतर करने के लिए समीक्षा बैठक ली थी।

सड़क दुर्घटना में कमी लाने के उपायों पर चर्चा की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने वर्ष 2025 के लिए बेसिक पुलिसिंग के साथ अपराध नियंत्रण का रोड मैप तैयार कर लिया है। इस विषय पर पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने महकमे के अधिकारियों की एक बैठक लेकर अपनी प्राथमिकता से सभी को अवगत कराया है। इस बैठक में सड़क दुर्घटना के आंकड़े में कमी लाने के उपायों पर चर्चा कर पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना व चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

नए साल की पहली बैठक लेते हुए पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला का रुख काफी सख्त नजर आया। पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर 6 में आयोजित इस बैठक में सभी राजपत्रित अधिकारी के साथ साथ थाना व चौकी प्रभारियों की मौजूदगी रही। बैठक में पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने चालू वर्ष 2025 में कानून व्यवस्था सहित पुलिस की जिम्मेदारी वाले कार्यों की प्राथमिकताओं से सभी को अवगत कराया गया। पिछले साल हुई सड़क हादसों की सिलसिलेवार समीक्षा करने के साथ इस वर्ष आंकड़े में कमी लाने के उपायों पर चर्चा की गई। सभी थाना व चौकी प्रभारियों को दुर्घटना जन्य क्षेत्र का विजिट कर ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया गया।

सडक दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थानों द्वारा की गई कार्यवाही की थानावार समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को अभियान के दौरान प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान ड्रंकन ड्राइव, रैश ड्राइविंग, ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही के साथ-साथ उनके लाइसेंस निरस्तीकरण की रिपोर्ट भी अनिवार्य रूप से आरटीओ कार्यालय को भेजने हेतु सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही आम जन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु नियमित रूप से सभी थाना क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गये।

बैठक में पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने साफ तौर पर कहा कि अपराध का ग्राफ बढ़ा तो जिम्मेदार थाना प्रभारी और चौकी प्रभारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने रात्रि गश्ती तेज करने और अपराध का त्वरित गति से निष्पादन करने का भी निर्देश दिया। थानों पर पहुंचने वाले हर मामलों को पूरी गंभीरता से निष्पादित किया जाए। उन्होंने जुआ, सट्टा, अवैध शराब बिक्री कबाड़ियों पर प्रभावी कार्रवाई करने निर्देशित किया है। किसी भी थाना क्षेत्र में इस प्रकार की कोई भी अपराधिक असामाजिक गतिविधियां पाया जाना उचित नहीं होगा।

अम्बेडकर अस्पताल में बच्चा चोरी का मामला, अस्पताल अधीक्षक ने सुरक्षा गार्ड को हटाया, आरोपी दो महिलाएं गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अम्बेडकर अस्पताल प्रबंधन की सजगता और पुलिस की तत्परता से आज एक दिन के बालक शिशु (मेल चाइल्ड) को चोरी होने से बचा लिया गया। अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने वार्ड की सुरक्षा में हुई चूक के लिए वार्ड में तैनात सुरक्षा गार्ड को तत्काल हटा दिया है। साथ ही प्रसूति वार्ड में भर्ती सभी लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान या अपरिचित लोगों से मेल-जोल ना बढ़ायें। किसी भी प्रकार के संदेहास्पद लोगों की सूचना वार्ड के सुरक्षा गार्ड, नर्स, डॉक्टरों या फिर अस्पताल में स्थित पुलिस सहायता केंद्र को दें ताकि समय रहते किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। इसके साथ ही उन्होंने शिशु को ढुंढने में शामिल सुरक्षा गार्ड की टीम और पुलिस को बधाई दी कि बेहद ही कम समय में पूरी टीम की सूझबूझ और सक्रियता की बदौलत शिशु को चोरी होने से बचा लिया गया।

बता दें अम्बेडकर अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के वार्ड नंबर 6 में भर्ती नीता सतनामी पति बेद व्यास सतनामी, ग्राम डोमा, थाना आरंग, रायपुर निवासी के एक दिन के नवजात शिशु के गुम जाने की सूचना अस्पताल

प्रबंधन को मिली। इसके साथ ही परिजनों के माध्यम से इसकी सूचना थाना मौदहापारा को दी गई। अस्पताल के पुलिस सहायता केंद्र, सेक्युरिटी टीम एवं पुलिस प्रशासन को जैसी ही इसकी सूचना मिली त्वरित अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज का पड़ताल किया गया। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने स्वयं इस घटना को गंभीरता से लेते हुए सेक्युरिटी टीम को बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर शिशु की खोज के लिए जाने के निर्देश दिये।

सीसी टीवी फुटेज में एक महिला के द्वारा नवजात शिशु को आयुष्मान गेट से बाहर ले जाते दिखाई दिया। दोपहर 1 बजकर 7 मिनट में आरोपित महिला द्वारा अस्पताल के वार्ड क्रमांक 6 से बच्चे को लेकर 1 बजकर 9 मिनट में आयुष्मान गेट से बाहर निकल जाना दिखाई दिया। तत्पश्चात पुलिस की टीम ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 5 से दो महिलाओं के साथ शिशु को बरामद किया। शिशु को वापस अस्पताल लाया गया और उसकी डॉक्टरों द्वारा जाँच की गई जिसमें वह स्वस्थ होना पाया गया उसके बाद वापस परिजनों को सौंप दिया गया।

शिशु की माता नीता सतनामी ने बताया कि डिलीवरी के लिए अपनी सास, ससुर और ननद के साथ 3 जनवरी को अम्बेडकर अस्पताल आई और शाम 7.30 के लगभग वार्ड नम्बर 6, बेड नम्बर 1 में उसको भर्ती किया गया। जहाँ रात्रि 11.15 बजे उसने बालक शिशु को जन्म दिया। उनकी सास और ननद के साथ रानी साहू और पायल साहू नामक दो महिलाओं ने अपना परिचय बनाया और दूसरे दिन यानी 04 जनवरी को इन दोनों महिलाओं ने सास और ननद के साथ वार्ड नम्बर 6 के गेट के पास साथ में खाना खाया। जब उसकी सास हाथ धोने गई और वापस आई तो नवजात शिशु बिस्तर पर नहीं था। रानी साहू और पायल साहू भी नहीं दिखे। तब शक हुआ। अस्पताल को और पुलिस को सूचना दिये। सूचना के आधार पर अस्पताल प्रबंधन और सिक्युरिटी टीम की सक्रियता तथा पुलिस की कार्यवाही से नवजात शिशु सकुशल वापस मिल गया।

लैब टेक्निशियन ने फांसी लगाकर की खुदकुशी केमिस्ट्री लैब रूम में फंदे से लटकी मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय महाविद्यालय भिलाई-3 में शनिवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब वहां के केमिस्ट्री लैब रूम में एक शख्स की फांसी के फंदे पर लटकती हुई लाश देखी गई। मृतक की पहचान महाविद्यालय में ही लैब टेक्नीशियन पदुम नगर भिलाई-3 निवासी तिरुपति रामटेके (52) के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया यह मामला खुदकुशी का लग रहा है। महाविद्यालय प्रशासन की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

भिलाई 3 के डॉ खूबचंद बघेल शासकीय महाविद्यालय में एक लैब टेक्नीशियन तिरुपति रामटेके रामटेके का शव लैब रुम में फांसी के फंदे से लटके हुए मिला है। जिसकी सूचना कॉलेज प्रबंधन ने तुरंत भिलाई-3 थाने को दी। सूचना पर एएसपी शहर सुखनंदन राठौर व सीएसपी छावनी हरीश पाटिल टीम के साथ कॉलेज पहुंचे। बताते हैं कि सुबह 9 बजे तिरुपति रामटेके कॉलेज पहुंचा और जरुरी काम का हवाला देकर चपरासी से अपना रूम खोलने को कहा।

इसके बाद जब कॉलेज के बाकी स्टाफ अपने समय पर पहुंचने लगे तो उन्होंने केमिस्ट्री लैब में तिरुपति रामटेके की फांसी के फंदे पर लटकती हुई लाश देखी।

पुलिस लिस की मानें तो जिस स्थिति में लाश फंदे पर लटकती मिली है, उससे मामला खुदकुशी का लग रहा है। पुलिस ने कॉलेज पहुंचकर मृतक के शव को फंदे से नीचे उतारा गया। वहीं मृतक के आत्मघाती कदम की सूचना उसके परिजनों को दी गई। मृतक के बेटे ने पुलिस को बताया कि उसके पिता पर बैंक का लोन था। शायद इसी वजह से उन्होंने आत्महत्या की है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मृतक भूतपूर्व सैनिक था। भूतपूर्व सैनिक कोटे से चार-पांच साल पहले उसकी नौकरी असिस्टेंट लैब टेक्नीशियन के पद पर भिलाई-3 कॉलेज में लगी थी। कुछ समय पहले उसे पदोन्नति मिली थी। सीएसपी छावनी हरीश पाटिल ने बताया कि मृतक लैब टेक्नीशियन सुबह अपने घर से बाल कटवाने के नाम पर बाहर निकाला था। उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। इसी बीच कॉलेज के साइंस लैब में उसका शव फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। फिलहाल इस पूरे मामले में परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। मृतक के शव को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।
// मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना //
क्रमांक/733/स्वा0वि0/2024 दुर्ग, दिनांक 03/01/25

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से लो.नि.वि. में प्रचलित भवन / सड़क एस0ओ0आर0 01.01.2015 पर तथा निविदा दिनांक तक संशोधित दर, पर कम / अधिक प्रतिशत् दर पर सार्वजनिक / सामुदायिक शौचालयों के मरम्मत, संधारण एवं उन्नयन कार्य हेतु कुल लागत राशि रू. 230.570 लाख के कुल 66 कार्यों के लिए पृथक-पृथक आमंत्रित किया जाता है। निविदा तिथियों का विवरण निम्नानुसार है :-

1. निविदा प्रपत्र क्रय हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	10/01/2025
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि	17/01/2025
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	24/01/2025
4. निविदा खोलने की अंतिम तिथि	27/01/2025

निविदा कार्यों का विस्तृत विवरण एवं निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in से डाउनलोड की जा सकती है। निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन होने पर इसकी सूचना समाचार पत्रो में प्रकाशित नही की जावेगी। अत: नियमित रूप से विभागीय वेबासाईट का अवलोकन करें ।

कार्यपालन अभियंता,
नगर पालिक निगम, दुर्ग

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

छत्तीसगढ़ का पर्यटन गढ़ है धमतरी: गंगरेल से लेकर मुरूमसिल्ली व नरहरा वाटर फॉल तक बिखरी सुंदरता

छत्तीसगढ़ के बेस्ट पिकनिक स्पॉट बन गया है धमतरी जिला, नदी किनारे मिलती है गोवा की फीलिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक सुंदरता के लिए छत्तीसगढ़ के कई जिले अहम स्थान रखते हैं। सरगुजा से लेकर बस्तर तक छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक नजारों की कोई कमी नहीं है। विश्वभर के पर्यटकों को छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल लुभा रहे हैं। राजधानी रायपुर व दुर्ग जिले से लगे धमतरी जिला भी इन दिनों पर्यटकों के लिए एक बेहतर डेस्टिनी साबित हो रहा है। यहां के प्राकृतिक नजारे खास आकर्षण बने हुए हैं। खासकर धमतरी का सबसे प्रख्यात गंगरेल बांध लोगों को मिनी गोवा की फिलिंग देता है। स्पिलवे साइफन सिस्टम वाला मुरुमसिल्ली बांध, नरहरा जलप्रपात, जबर्रा हिल्स आदि धमतरी की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। आइए यहां जानते हैं धमतरी के कुछ खास स्थलों के बारें में।

रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध : पर्यटकों को लुभाती है यहां की खूबसूरती

छत्तीसगढ़ राज्य के बड़े बांधों में से धमतरी जिले के गंगरेल में महानदी पर बने रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध की खूबसूरती सभी को लुभाती है। इसी वजह से लाखों लोग यहां आते हैं। महानदी अत्यंत विशाल नदी है, जिसका उद्गम धमतरी जिले के सिहावा पर्वत से होता है और यह नदी अपने उद्गम के बाद उत्तर-पूर्व दिशा में प्रवाहित होती है। इस नदी पर बड़े-बड़े बांधों का निर्माण किया गया है, जिनमें से प्रमुख हैं रुद्री बांध, गंगरेल या रविशंकर बांध और उड़ीसा में निर्मित हीराकुंड बांध छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा बांध गंगरेल या रविशंकर बांध इसी नदी पर निर्मित है।

देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है जबर्रा

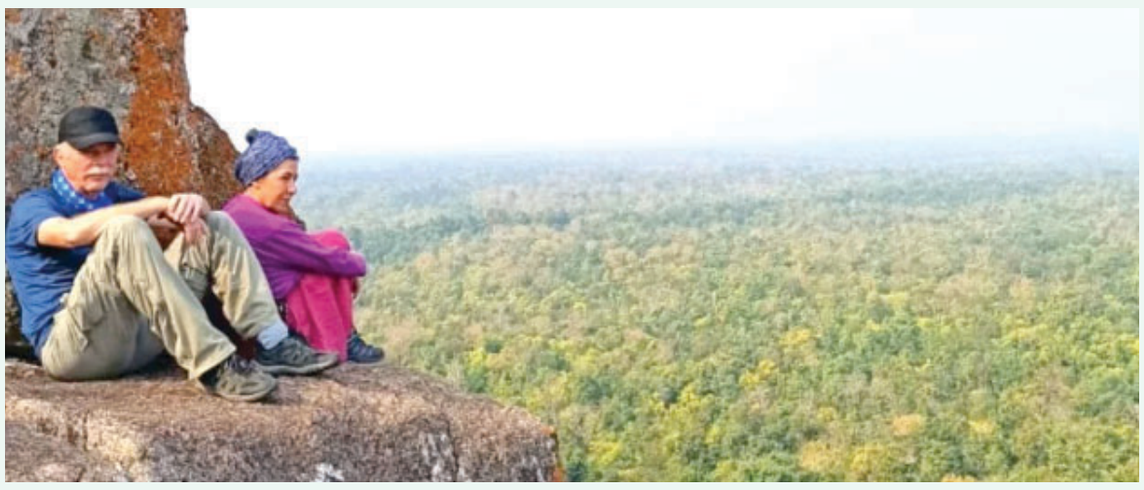

शांत घने जंगल के बीच पहाड़ में ट्रेकिंग का मजा, कलकल बहती नदी के किनारे सैर, फुर्सत के पल बिताने रेस्ट हाउस, वन औषधियों से उपचार का तरीका बताने वैद्य, पर्वतों की सैरगाह का आनंद देने गाइड, आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाने लोगों का समूह और आदिवासी व्यंजनों की मिठास, यह सब कुछ शहर के कोलाहल से दूर धमतरी जिले के वनांचल नगरी विकासखण्ड के जबर्रा में है। इसे प्रशासन के द्वारा ईको टूरिज्म के तौर पर विकसित किया गया है। यह जिला मुख्यालय धमतरी से ग्राम जबर्रा 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ईको फ्रेंडली टूरिज्म का सीधा अर्थ पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना पर्यटन का विकास करना है, फिर प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ दिया गया है। खास बात है कि प्रकृति का सान्निध्य लेने ना केवल देश के बल्कि विदेशों से भी पर्यटक यहां पहुंचते हैं। यहां दिल्ली, पुणे, बेंगलुरू, नागपुर, रायपुर, राजस्थान सहित विदेशी नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, पोलैंड, जापान, लंदन और श्रीलंका से पर्यटक आते हैं। यहां पर्यटकों की सुविधा के लिए 20 सदस्यों का समूह बना है, जिन्हें प्रशिक्षण दिया गया और इन युवाओं को जबर्रा हिलर्स नाम से जाना जाता है। इन युवाओं द्वारा जबर्रा पहुंचने वाले पर्यटकों को ना केवल ठहरने, खाने और गाईड की व्यवस्था करता है, बल्कि पर्यटकों का जोर-शोर से स्वागत किया जाता है। पर्यटकों को जबर्रा के पर्वत, नदी की सैर कराने के साथ ही वनौषधि की जानकारी दी जाती है। इससे इन युवाओं का आय का जरिया तो बना ही है, बल्कि पर्यटकों को सुविधा भी मिल रही है। वनांचल नगरी के जबर्रा में 300 से अधिक प्रकार की वनौषधि मिलती है। जबर्रा का रोमांच दुगली से जबर्रा का 13 किलोमीटर का रास्ता पकड़ने के साथ ही शुरू हो जाता है। घने जंगलों के बीच बसा जबर्रा जंगल 5352 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जहां 300 से अधिक प्रकार की वनौषधि है।

सबसे पुराना जलाशय है मुरूमसिल्ली, 100 साल बाद भी जस का तस

मुरूमसिल्ली जलाशय महानदी संकुल (काम्पलेक्स) का यह सबसे पुराना महत्वपूर्ण जलाशय हैं। मुरूमसिल्ली जलाशय महानदी की सहायक नदी सिलियारी नदी पर धमतरी जिला मुख्यालय से 28 किमी. दक्षिण में मुरूमसिल्ली गांव के पास बनाया गया हैं। 1914 से 1923 के बीच निर्मित इस बांध में बड़ी संख्या में लोग पिकनिक मनाने आते हैं। चारों तरफघने पेड़ों से आच्छादित यह बांध अपनी खूबसूरती से आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 100 साल की उम्र बीत जाने के बाद भी इस बांध की मजबूती में कोई फर्क नहीं आया है, और आज भी इनके सभी गेट चालू हालत में हैं। इस जलाशय में अतिरिक्त जल निकास हेतु अपने आप चलने वाला विशेष एवं अद्वितीय स्पिलवे साइफन सिस्टम का निर्माण किया गया, जो कि उस समय की गहन अध्ययन एवं रूपांकन की सूझ-बूझ दर्शाता हैं। बारिश के मौसम में बांध लबालब होते ही ऑटोमेटिक सायफन गेट से पानी निकलना शुरू हो जाता है। इस तरह का स्वचालित सायफन स्पिल-वे का निर्माण एशिया का प्रथम निर्माण था। अतः आटोमेटिक स्पिल-वे सायफन का निर्माण एक विशिष्टता लिये हुये है। जिसको सिविल इंजीनियरिंग की पुस्तक ''ऑटोमेटिक स्पिलवे सायफन ऑफमुरूमसिल्ली डैम डिजाईन इन टेक्सट बुक इन सिविल इंजीनियरिंग (इरीगेशन इंजीनियरिंग सायफन वियर्स एंड लॉक्स राईटर बाय सर्ज लेलीयाव्स्की) में अध्ययन हेतु उल्लेखित किया गया है। मुरुमसिल्ली बांध राजधानी रायपुर से सिर्फ95 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है।

बोटिंग का मजा

यहां दर्शनीय स्थल मां अंगारमोती मंदिर के अलावा बोटिंग, मिनी गोवा, रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित गार्डन पर्यटकों का मन अपनी ओर मोह लेती है। गंगरेल डैम पर खूबसूरत हट बने हुए हैं, जाहं से बांध के पास रहने और 24 घंटे उसे निहारने का आनंद भी उठाया जा सकता है। ग्राम छाती की डिगेश्वरी साहू बताती हैं कि वे अपने परिवार के साथ गंगरेल घूमने आती रहतीं हैं। यहां का शांत वातावरण, अंगारमोती का दर्शन कर उन्हें काफी अच्छा लगता है। इसके साथ ही बोटिंग, आकर्षक गार्डन और नदी को देख मन प्रफुल्लित होने लगता है। वहीं महासमुंद जिले से गंगरेल पहुंची कुमारी मोना साहू और उनके साथियों ने गंगरेल के मनोरम वातावरण, बोटिंग, विशाल नदी और अंगारमोती मां के मंदिर की काफी प्रशंसा की।

चट्टानों के बीच से गिरता है नरहरा जल प्रपात

धमतरी का एक और आकर्षण है नरहरा जलप्रपात। घने जंगल में चट्टानों के बीच से गिरता दुधिया रंग का पानी यह खूबसूरत नजारा है, धमतरी जिले में मौजूद नरहरा धाम का। इसे ऋषि मारकंडे की तपोभूमि के तौर पर भी जाना जाता है. नगरी विकासखण्ड के ग्राम झूरातराई-कोटरवाही के समीप स्थित नरहराधाम प्राकृतिक जलप्रपात को पर्यटन के दृष्टिकोण से उभारा गया है। धमतरी जिला मुख्यालय से तकरीबन 35 किलोमीटर दूर यह नरहरा धाम कुकरेल से बिरझुली जाने वाली पक्की सड़क के बाद कोटरवाही से 5 किलोमीटर है। जलप्रपात का स्वरूप पूरी तरह से प्राकृतिक है और आसपास का पूरा पानी बहकर आगे बढ़ने के दौरान नरहरा धाम में जलप्रपात का स्वरूप लेता है। चट्टानों के ऊपर से पानी का बहाव साफजाहिर करता है कि पानी के तेज बहाव में चट्टानों को काटकर क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य दिया है यह पानी आगे बढ़कर महानदी में जाकर मिलता है। नरहरा धाम पर्यटन के दृष्टि से ऐतिहासिक स्थल होने के साथ-साथ धार्मिक आस्था का केंद्र भी है। यहां कभी ऋषि मारकंडे तप किया करते थे और यह जगह उनका तपस्थली हुआ करता था। इसी जगह पर माता नारेश्वरी देवी का मंदिर भी स्थापित किया गया है। रोजाना यहां सैकड़ों लोग पिकनिक मनाने पहुंचते है। पर्यटन क्षेत्र में सामुदायिक शौचालय, स्वच्छता, वाहन पार्किंग, टुरिस्ट गाइड आदि का संचालन स्थानीय ग्रामीण महिलाओं और पुरूषों का समूह द्वारा की जा रही है।

शैलचित्रों की दुर्लभ श्रृंखला का गढ़ है रायगढ़, सदियां बीतने पर भी नहीं हुई धुमिल

रायगढ़ जिले में हजारों वर्ष पुराने पाषाणकालीन समृद्ध शैलचित्रों का खजाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। हर सभ्यता वक्त की रेत पर अपने निशान छोड़ जाती है, ऐसे ही शैलचित्रों की अनोखी दुर्लभ श्रृंखला रायगढ़ की पहाडियों में बिखरी हुई है, जो सदियां बीतने पर भी धूमिल नहीं हुई है और प्रागैतिहासिक काल से मानव विकास क्रम की कहानियां कह रही हैं। रायगढ़ जिले में हजारों वर्ष पुराने पाषाणकालीन समृद्ध शैलचित्रों का खजाना है, जो न केवल देश एवं प्रदेश में बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। ऐसी दुर्लभ पुरासंपदा हमारी प्राचीन सभ्यता के जीवंत अमूल्य अवशेष है। जिले में आदिम मानवों द्वारा सिंघनपुर, करमागढ़, कबरापहाड़, ओंगना, नवागढ़ पहाड़ी, बसनाझर, भैंसगढ़ी, खैरपुर, बेनिपाट, पंचभैया पहाड़, राबकोब गुफा, सारंगढ़ के सिरौलीडोंगरी जैसे अनेक स्थानों में शैलाश्रय में शैलचित्र उकेरे गए है, जिनमें पशु-पक्षी, आखेट के दृश्य, परम्परा, जीवनशैली, पर्व एवं त्यौहार का चित्रांकन दीवारों पर किया गया है। पेंटिंग विश्व के अन्य देशों फ्रांस, स्पेन, आस्ट्रेलिया एवं मेक्सिको में भी पाये गए हैं।

प्रागैतिहासिक काल में आदिम मानव इन सघन एवं दुर्गम पहाडियों में गुफाओं एवं कंदराओं में निवास करते थे और यहां सभ्यता का विकास होता गया। आदिम कुशल चित्रकारों द्वारा बनाये इन शैलचित्रों में उनकी जीवनशैली एवं परिवेश की अनुगूंज सुनाई देती है, जिसकी भावनात्मक अभिव्यक्ति इन रेखाचित्रों के रूप में उभरकर सामने आती है। आदिमानव रंगों के प्रयोग से अनभिज्ञ नहीं थे। यह शैलचित्र हमारे पुरखों द्वारा दिया गया बहुमूल्य उपहार है।

रमागढ़ की पहाडियों के बीच 'उषा कोटि' शैलाश्रय

हमीरपुर रोड से कुछ दूरी पर सघन वनों के बीच प्राकृतिक छटा से घिरी रमणीय करमागढ़ की पहाडियों के बीच 'उषा कोटि' शैलाश्रय में पाषाणकालीन आदिम मानवों ने गहरे गैरिक रंग से ग्रामीण जन-जीवन को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न पशुओं एवं सुंदर श्रृंखलाओं में ज्यामितीय आकृतियां चट्टानों में अंकित किए हैं। उषा कोटि में धान की बालियां, चांद, ढेकी, हिरन, खरगोश, बारहसिंघा, कछुआ, हाथी, छिपकली, मेंढक, बैल, पेड़-पौधे, मोती की सुंदर लडियों जैसी आकृतियां स्पष्ट नजर आती है। विख्यात पुरातत्वविद स्व.पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय ने इसकी तुलना अमेरिका के गुफा चित्रों से की थी। उडिया संस्कृति से प्रभावित इन शैलचित्रों में घर, आंगन एवं दीवारों में पर्व के अवसर पर सजाने के लिए अल्पना सदृश्य खूबसूरत चित्र बनाये गये है। वैसे ही कमल के फूल, गेहू एवं धान की बालियां एवं तरह-तरह के अनोखी कलात्मक आकृतियां बनी हुई है। शासन के पुरातत्व विभाग द्वारा इन शैलचित्रों को संरक्षित किया जा रहा है। ग्रामीण यहां त्यौहार के अवसर पर ग्राम देवता के रूप में पूर्वजों की पूजा करने आते है।

मैकल पर्वत श्रेणी में भी है आकर्षक शैलचित्रों की श्रृंखला

रायगढ़ जिला मुख्यालय से 20 किलो मीटर दूर भूपदेवपुर के समीप ग्राम सिंघनपुर के समीप मैकल पर्वत श्रेणी में लगभग 2 हजार फीट की ऊंचाई पर मनोरम पहाडियों के बीच जैव विविधता से परिपूर्ण सिंघनपुर की अद्वितीय गुफा है, जहां गैरिक रंग में मानव शरीर का आकार सीढ़ीनुमा सदृश, मानव आकृतियां एवं पशु-पक्षी की आकृतियां बनी हुई है। सिंघनपुर की पहाडियों में तीन गुफाएं हैं, जिनमें से दो दक्षिणमुखी है एवं तीसरा पूर्वमुखी है। पूर्वमुखी गुफा जिसके बाह्य भाग में शैल चित्र है, जहां जाना भी कठिन ही है। प्रागैतिहासिक शैलाश्रय की पुष्टि 19 वीं शताब्दी के मध्य पुरातत्व अधिकारी श्री ए.सी.करलेले ने की थी। आदिम युगीन के इन शैलचित्रों को स्व.एंडरसन ने 1912 ईसवीं में पहली बार देखा था। उन्होंने 1918 में इंडियन म्यूजियम ऑफ कलकत्ता के निदेशक श्री पर्सी ब्राउन को इसकी जानकारी दी थी, जिन्होंने अपनी पुस्तक इंडियन पेंटिंग में शैलचित्रों का जिक्र किया था। स्व.श्री एंडरसन अपने साथी श्री राबर्टसन के साथ सिंघनपुर की गुफा गए थे और यहां का अन्वेषण किया। इसी दौरान गुफा में मधुमक्खियों के काटने से राबर्टसन की मृत्यु हो गयी। उनकी स्मृति में रेलवे स्टेशन का नाम रॉबर्टसन रखा गया है। पर्सी ब्राउन के बाद कई पुरातत्वविद सर हेनरी हडवे, श्री व्ही स्मिथ, अमरनाथ दत्ता और पंडित लोचन प्रसाद पांडेय ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। सिंघनपुर की गुफा, पुरातत्वविदों के लिए जिज्ञासा एवं कौतुहल से भरी हुई है।

कबरापहाड़ में पाषाण युग के विशिष्ट शैलचित्र

रायगढ़ से 15 किलो मीटर दूर लोईंग से कुछ दूर पर कबरापहाड़ में पाषाण युग के विशिष्ट शैलचित्र है। जहां गैरिक रंग में छिपकली, हिरण, जंगली भैसा, बारहसिंघा, मेंढक, कछुआ, चक्र, जंगली भैसा मानव आकृतियां एवं विभिन्न प्रकार की ज्यामितियां आकृतियां है। यहां बने चक्र की खासियत यह है कि इसमें 36 लकीर बनी हुई है। पुरातत्वविदों के अनुसार कबरा पहाडियों के शैलचित्र लगभग 5000 वर्ष पुराने हैं। ग्रामवासी इन शैलचित्रों की पूजा करते है। रायगढ़ से लगभग 70 किलोमीटर दूर धरमजयगढ़ विकासखण्ड मुख्यालय से ग्राम ओंगना 4 किलोमीटर दूर है। वहां समीप के पहाडियों में शैलाश्रय में मोहक शैलचित्र बने हुए है। ओंगना के शैलचित्र मानवीय सभ्यता के क्रम को प्रगट करते है। यहां तीन मानव की आकृतियां है। सामूहिक नृत्य का चित्रांकन, बैल की आकृति, साज-सज्जा वाली मानव आकृतियां है। ग्रामीण इसे देव स्थान के रूप में मानते है।

पंचभैया पहाड़ी पर प्राचीन महत्व की कलाकृतियां

धरमजयगढ़ से 17 किलोमीटर दूर पंचभैया पहाड़ी पर प्राचीन महत्व के शैलचित्र हैं। ऐसी किवदंति है कि प्राचीन काल में पांचों पांडवों ने यहां रूककर विश्राम किया था। पहाड़ी के कटाव पर शैलचित्र हैं, जो गेरूए रंग से बने हुए हैं। इस पहाड़ पर हाथा नामक स्थान है, जहाँ चट्टानों पर 34 पंजों के निशान मिले हैं। वन्दनखोह गुफा के शैलचित्र, घोड़ी डोंगरी पहाड़ी के शैलचित्र, सिसरिंगा के चिनिडंड पहाड़ी के शैलचित्र एवं वोडरा कछार पहाड़ी के शैलचित्र अनूठे हैं। धरमजयगढ़ की राबकोब गुफा के शैलचित्र विशेष हैं।

ब्रम्हनीन पहाड़ी पर बसनाझर पहाड़ी के गुफाओं का आकर्षण

रायगढ़ से दक्षिण दिशा में 8 किलोमीटर दूर ब्रम्हनीन पहाड़ी पर बसनाझर पहाड़ी के गुफाओं एवं कंदराओं में अनगिनत शैलचित्र बिखरे हुए है। स्व.श्री एंडरसन द्वारा सिंघनपुर के शैलचित्रों के खोज के बाद बसनाझर के शैलचित्र पर भी अनुसंधान किया गया। पुरातत्वविदों के अनुसार ये शैलचित्रों 10 हजार ईसा पूर्व के है। ये शैलचित्र प्रस्तर युग तथा नवीन प्रस्तर युग के है। जिनमें आखेट युग को भी दर्शित किया गया है। आदिम शैलचित्रकारों ने आखेट दृश्य को प्रस्तुत किया है। यहां हिरण मानव आकृतियां एवं खेती तथा पशुपालन, सूर्यचक्र, देव आकृति प्रदर्शित किए गए है। जिले में प्रागैतिहासिक कालीन शैलचित्रों में प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति उत्कृष्ट रूप में अभिव्यक्त हुई है और यह पुरातत्वविदों के लिए अनुकरणीय है। रहस्य एवं रोमांच से भरपूर इन शैलचित्रों में अभी भी बहुत कुछ खोजना शेष है। इन कहानियों को क्रमिकता में समझने की जरूरत है, कि उस काल में जीवन किस तरह का था और रचनात्मकता किस तरह की थी। इनका सही वैज्ञानिक विश्लेषण करने पर मानव विकास के क्रम की कई तस्वीरें सामने आएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950